लखनऊ

गुरुवार, 03 अक्टूबर, 2024

वर्ष : 10 । अंक: 83

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

ब्रह्माण्ड की सारी शक्तियां पहले से हमारी हैं। वो हम ही हैं जो अपनी आंखों पर हांथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। -स्वामी विवेकानंद

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi

NIGHT 27° Low

संक्षेप

37 हजार कर्मचारी, 3000 करोड़ का बजट... फिर युद्ध क्यों नहीं रोक पाता यूनाइटेड नेशन?

वॉशिंगटन, एजेंसी। पर्दे के पीछे से जंग लड़ रहे इजराइल और ईरान अब आमने-सामने आ गए हैं। मंगलवार (1 अक्तूबर) की रात ईरान ने इजराइल पर एक साथ 200 बैलिस्टिक मिसाइल दाग युद्ध का उद्घोष कर दिया। इजराइल भी जवाबी हमले की तैयारी कर रहा है। इन दोनों के जंग में सवाल संयुक्त राष्ट्र संघ पर उठ रहा है। 1945 में शांति स्थापित के लिए गठित यूनाइटेड नेशन 7वीं बार किसी युद्ध को रोकने में फेल साबित हुआ है। वर्तमान में यूएन की नाकामी की वजह से 8 देश जंग के मैदान में हैं। इनमें एक तो संयुक्त राष्ट्र संघ का स्थाई सदस्य रूस भी है। इजराइल और ईरान के बीच जो जंग की शुरुआत हुई है, वो इतिहास का 7वां मौका है, जब यूनाइटेड नेशन जंग रोकने में विफल रहा है। यूएन 2022 में रूस और यूक्रेन के बीच भी जंग नहीं रोक पाया था। दोनों देश के बीच अब तक जंग चल ही रहे हैं। यूएन की विफलता की वजह से दुनिया भर में अब तक 40 लाख लोग जंग में मारे जा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के गठन के 10 साल बाद अमेरिका ने वियतनाम पर अटैक कर दिया। इस जंग को वियतनाम-अमेरिका युद्ध के नाम से जाना जाता है। यूएन इस हमले को रोक पाने में विफल रहा। इस जंग में करीब 20 लाख लोग मारे गए। मरने वाले अधिकांश वियतनाम के ही थे। 1980 के आखिर में इराकी सेना ने ईरान पर हमला कर दिया। गुस्साए ईरान ने जंग छेड़ने की घोषणा कर दी। दोनों देश के बीच करीब 8 साल तक युद्ध चलता रहा। इस युद्ध में करीब 10 लाख लोग मारे गए। यूएन इसे भी रोकने में फेल रहा।

'दुनिया आपको थाली में परोसकर कुछ नहीं देगी', पड़ोसी देशों से रिश्तों और प्रतिस्पर्धा पर जयशंकर

वॉशिंगटन, एजेंसी। केंद्रीय विदेश मंत्री एस। जयशंकर इनदिनों अमेरिका दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने इस कार्यक्रम में चीन के साथ भारत के संबंधपर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि जब चीन की बात आती है को वे मंत्रालय में अपने सहयोगियों से प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार रहने के लिए कहते हैं। जयशंकर ने एक संदेश देते हुए कहा कि दुनिया किसी को भी थाली में परोसकर कुछ नहीं देती है। जयशंकर ने कहा, 'आजादी के बाद से पड़ोसियों के साथ हमारे संबंध बहुत मजबूत हो गए हैं। इसका एकमात्र कारण यह है कि हम बहुत क्षेत्रीय हो गए हैं। हमारे पड़ोसियों की भी अपनी राजनीति है और वहां भी उतार-चढ़ाव है। एक बड़े पड़ोसी के तौर पर हम राजनीतिक बहस का हिस्सा बन जाते हैं। जब चीन की बात आती है तो मैं विदेश मंत्रालय में अपने सहयोगियों से कहता हूं कि प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार रहें। दुनिया आपको कुछ भी परोस कर नहीं देगी।' जयशंकर ने आगे कहा, 'सीमा में शांति बरकरार कैसे रखे, इसे लेकर चीन के साथ हमने समझौता किया था, लेकिन चीन ने 2020 में उन समझौतों का उल्लंघन किया। सीमा पर हमने सेना को तैनात किया है, जिसे लेकर दोनों देशों के बीच तनाव है। जब तक सेना वहां तैनात रहेंगे, तब तक तनाव जारी रहेगा। अगर तनाव ऐसे ही जारी रहा तो इसका असर शेष संबंधों पर भी पड़ेगा।

पीएम ने झारखंड को दी 83300 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी 2 अक्तूबर को झारखंड को 83,300 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने हजारीबाग में दोपहर करीब दो बजे विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के मुताबिक, देश भर में जनजातीय समुदायों के व्यापक और समग्र विकास को सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप पीएम मोदी ने 79,150 करोड़ रुपये से अधिक के कुल परिव्यय के साथ धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ किया। यह अभियान 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों और 2,740 ब्लॉकों में 5 करोड़ से अधिक जनजातीय लोगों को लाभान्वित करते हुए लगभग 63,000 गांवों को शामिल करेगा।

इसका उद्देश्य भारत सरकार के विभिन्न 17 मंत्रालयों और विभागों की ओर से कार्यान्वित 25 हस्तक्षेपों के माध्यम से सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका में महत्वपूर्ण अंतर को पाटना है। इसके अलावा पीएम मोदी ने जनजातीय समुदायों के लिए शैक्षिक बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए 40 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) का उद्घाटन भी किया। इसके अलावा उन्होंने 2,800 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 25 ईएमआरएस की आधारशिला भी रखी।

1,360 करोड़ की पीएम जनमन योजनाओं का शुभारंभ

प्रधानमंत्री ने जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के तहत 1,360 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें 1,380 किमी से अधिक सड़कें, 120 आंगनवाड़ी, 250 बहुउद्देश्यीय केंद्र और 10 स्कूल छात्रावास शामिल हैं।

सीआरपीएफ में 217 सफाईकर्मियों, चपरासियों के आए अच्छे दिन, पहली बार मिला प्रमोशन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में कुल 217 कर्मचारियों को पहली बार पदोन्नति मिली है। ये कर्मचारी बल में सबसे निचली श्रेणी सफाईकर्मी और चपरासी के रूप में कार्यरत हैं। इन्हें नए रैंक दिए गए हैं। दिल्ली स्थित मुख्यालय समेत बल के विभिन्न कार्यालयों में सोमवार को कर्मचारियों को रैंक देने के लिए समारोह आयोजित किया गया। सीआरपीएफ के महानिदेशक एडी सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कर्मचारियों की वर्दी पर रैंक लगाई और उन्हें बधाई दी। महानिदेशक ने कहा, 'सीआरपीएफ का प्रत्येक सदस्य चाहे वह किसी भी पद पर हो, हमारे देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने में हमारे मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।' उन्होंने बताया कि 217 कर्मचारियों को कांस्टेबल से हेड कांस्टेबल के पद पर पदोन्नत किया गया है।बता दें कि इस वर्ष की शुरुआत में केंद्र सरकार ने देश के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ के 85 साल के इतिहास में पहली बार सफाईकर्मियों, रसोइयों और पानी देने वाले कर्मचारियों के रूप में कार्यरत 2600 कर्मचारियों को पदोन्नति देने की स्वीकृति दी थी।

पीएम मोदी ने स्कूल में मनाई गांधी जयंती, छात्राओं से की मुलाकात, दिया ये संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी ने गांधी जयंती के मौके पर अपने एक्स पर स्कूल में साफ-सफाई करते हुए कई फोटोज शेयर कीं। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से खूब बातचीत की। उन्होंने छात्राओं से पूछा कि स्वच्छता से क्या क्या फायदे होते हैं? तभी छात्राओं में से एक ने जवाब दिया कि इससे हमें बीमारी नहीं होती। इसके साथ ही पीएम मोदी ने जब छात्राओं से पूछा कि अगर शौचालय नहीं होगा तो क्या होगा? तब छात्राओं ने जवाब दिया कि इससे बीमारियां फैलती हैं। तब पीएम मोदी ने उन्हें बताया कि पहले के समय में 100 में 60 प्रतिशत लोगों के घरों में टॉयलेट नहीं था, तब सारी बीमारियों का कारण यही बनता था और उसमें सबसे ज्यादा कष्ट मताओं और बहनों को होता था।

पीएम मोदी ने छात्राओं से बात करते हुए आगे बताया कि जब से स्वच्छ भारत अभियान चलाया गया, तो सबसे पहले स्कूलों में टॉयलेट बनाए गए, छात्राओं के लिए अलग बनाए। आज छात्राएं स्कूल में पढ़ रही हैं। फिर पीएम मोदी ने स्कूली छात्राओं से सवाल किया कि इसका फायदा हुआ की नहीं हुआ? जिसके जवाब में सभी लड़कियों ने खुश होकर हां में जवाब दिया।

पीएम मोदी ने छात्राओं से सवाल किया कि आज किस-किस की जयंती है। छात्राओं ने तुरंत जवाब दिया और कहा कि गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री जी की। फिर पीएम मोदी ने उनसे योगा करने के लिए में पूछा और कहा कि आसन से क्या-क्या फायदा होता है तब लड़कियों ने जवाब दिया कि योगा से हमारे शरीर में हमारी बॉडी में फ्लेक्सिबिलिटी आती है, बीमारियां कम होती हैं और ब्लड सरकुलेशन अच्छा होता है। इसके बाद पीएम मोदी ने छात्राओं से खाने को लेकर सवाल किए और पूछा कि आप कौन-कौन सी चीजें खाना पसंद करते हैं और सब्जियां खाने में कौन-कौन झगड़े करते हैं। फिर पीएम मोदी ने पूछा सुकन्या समृद्धि योजना को लेकर पूछा कि कौन-कौन जानता है कि यह योजना क्या है? एक लड़की ने जवाब दिया कि आपके द्वारा खोली गई एक स्कीम है, जो बहुत सारी महिलाओं का फायदा दे रही है। जब हम 18 साल से ज्यादा के हो जाते हैं, तो यह हमारी पढ़ाई में मदद करती है। इसके बाद पीएम मोदी ने खुद उनके सवाल का जवाब दिया और सुकन्या समृद्धि योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि बेटी का जन्म होते ही सुकन्या समृद्धि का अकाउंट खोला जा सकता है। साल में उस बेटी के मां बाप उस बैंट अकाउंट में एक हजार रुपए डाल दे यानी महीने के 80-90 रुपये।

दिल्ली में सबसे बड़े ड्रग बस्ट में 2,000 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आज राष्ट्रीय राजधानी में सबसे बड़े मादक पदार्थ भंडाफोड़ में लगभग 2,000 करोड़ रुपये मूल्य की 560 से अधिक कोकीन जब्त की है। पुलिस ने बताया कि मादक पदार्थ दक्षिण दिल्ली में बरामद किया गया और इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों को संदेह है कि यह एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट है जिसे नई दिल्ली में अफगान नागरिकों द्वारा चलाया जा रहा था। यह मादक पदार्थ भंडाफोड़ ऐसे समय में हुआ है जब कुछ ही दिन पहले दो अन्य अफगान नागरिकों को कथित तौर पर एक सिंडिकेट चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। दोनों को शनिवार को तिलक नगर में छापेमारी के दौरान पकड़ा गया। पुलिस ने दो आरोपियों - हाशिमी मोहम्मद वारिस और अब्दुल नायब के कब्जे से 400 ग्राम हेरोइन और 160 ग्राम कोकीन बरामद की। वारिस जनवरी 2020 से शरणार्थी के तौर पर भारत में रह रहे हैं। उनका परिवार अफ़गानिस्तान में है। भारत आने के बाद उन्होंने विकासपुरी में एक केमिस्ट की दुकान में हेल्पर के रूप में काम किया। वह ड्रग्स के कारोबार में तब आया जब उसके दोस्त ने उससे संपर्क किया और उसे दिल्ली और एनसीआर में विभिन्न लोगों से खेप एकत्र करने के लिए कहा है। पुलिस ने बताया कि वह आगे रिसीवर्स तक सामान पहुंचाता था। उसे हर डिलीवरी के लिए 100 डॉलर मिलते थे। पुलिस के मुताबिक, नायब भी एक अफ़गान नागरिक है और वह जनवरी 2020 में अपने पिता के साथ भारत आया था। वह एक पंजीकृत शरणार्थी है। उसके पिता को छोड़कर उसका पूरा परिवार अफ़गानिस्तान में रहता है। नायब की मुलाकात वारिस से विकासपुरी में एक केमिस्ट की दुकान पर हुई थी। पुलिस ने बताया कि वारिस ने नायब को विलासितापूर्ण जीवनशैली का झांसा देकर उसे नशीली दवाओं के कारोबार में धकेला।

एस जयशंकर की ड्रैगन को दो टूक, बोले- चीन ने भारत के साथ समझौतों का किया उल्लंघन

वाशिंगटन। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि चीन ने भारत के साथ सीमा समझौतों का उल्लंघन किया है। साथ ही कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव जारी रहने से शेष संबंधों पर स्वाभाविक रूप से असर पड़ेगा।

अमेरिकी थिंक टैंक 'कारनेगी एनडोमेंट फार इंटरनेशनल पीस' में एक सवाल के जवाब में विदेश मंत्री ने कहा, 'जहां तक चीन के साथ हमारे संबंधों की बात है तो यह एक लंबी कहानी है। संक्षेप में कहें तो सीमा पर शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के लिए हमारे बीच समझौते थे।

चीन ने उनका उल्लंघन किया। हमने सेनाओं को अग्रिम मोर्चों पर तैनात कर रखा है और उससे तनाव पैदा हो रहा है। जब तक अग्रिम मोर्चों पर तैनाती का मसला नहीं सुलझता, तनाव बना रहेगा। अगर तनाव रहेगा तो बाकी रिश्तों पर भी स्वाभाविक रूप से असर पड़ेगा।' व्यापार के संबंध में जयशंकर ने कहा, 'वैश्विक विनिर्माण (मैनुफैक्चरिंग) में चीन की हिस्सेदारी लगभग 31-32 प्रतिशत है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि कई दशकों तक पश्चिम के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय कारोबार जगत ने आपसी हितों के लिए चीन के साथ सहयोग करने का चुनाव किया। आज किसी भी देश के लिए जो किसी भी तरह की खपत करता है या विनिर्माण करता है तो चीन से सोर्सिंग करना अपरिहार्य है।'

रूस और यूक्रेन के बीच संवाद कर रहा भारत

जयशंकर ने कहा कि भारत युद्धरत रूस और यूक्रेन के बीच संवाद स्थापित कर रहा है ताकि दोनों देशों को अपने मतभेद सुलझाने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि भारत की स्थिति यह है कि हम इस बात में विश्वास नहीं करते कि विभिन्न देशों के बीच मतभेदों या विवादों का समाधान युद्ध से किया जा सकता है। दूसरा, युद्ध के मैदान में निर्णायक परिणाम हासिल नहीं किए जा सकते। तीसरा, अगर युद्ध से निर्णायक परिणाम नहीं मिल रहे हैं तो कभी न कभी किसी न किसी रूप में वार्ता करनी होगी। वार्ता होगी तो कुछ तैयारी, कुछ अन्वेषण और संबंधित पक्षों के बीच कुछ संवाद करना होगा। पश्चिम एशिया की स्थिति पर विदेश मंत्री ने कहा, 'हम संघर्ष के व्यापक होने की संभावना से बहुत ¨चतित हैं, न सिर्फ जो लेबनान में हुआ, बल्कि हाउतियों एवं लाल सागर तक भी, और कुछ हद तक ईरान और इजरायल के बीच जो कुछ भी हुआ है।'

जेलों में 'जाति आधारित भेदभाव' मामले को लेकर खफा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को एक 'जाति आधारित भेदभाव' से जुड़ी याचिका पर अपना एतिहासिक फैसला सुनाने वाली है। सुप्रीम कोर्ट में दायर इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि देश के कुछ राज्यों के जेल मैनुअल जाति आधारित भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। बता दें कि, सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश बल्कि मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत 17 राज्यों से जेल के अंदर जातिगत भेदभाव और जेलों में कैदियों को जाति के आधार पर काम दिए जाने पर जवाब मांगा था।

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड की गई 3 अक्टूबर की वाद सूची के अनुसार मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ इस याचिका पर फैसला सुनाएगी। सर्वोच्च न्यायालय ने इस साल जनवरी में इस याचिका पर केंद्र और उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों से जवाब मांगा था। हालांकि छह महीने बीतने के बाद भी केवल उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ने ही अपना जवाब कोर्ट में दाखिल किया है।

यूपी सरकार को लगी थी कड़ी फटकार

बता दें कि पिछली सुनवाई में भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने उत्तर प्रदेश सरकार के वकीलों की कड़ी फटकार लगाई थी। उत्तर प्रदेश सरकार के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में दावा किया था कि यूपी की जेलों में कैदियों के साथ कोई जातिगत भेदभाव नहीं होता है। डीवाई चंद्रचूड़ ने उत्तर प्रदेश की जेल नियमावली के कुछ प्रावधान पढ़कर खफा हो गए थे। इस पर उन्होंने कहा था कि, नियम 158 में मैला ढोने के कर्तव्य का जिक्र है। यह मैला ढोने का कर्तव्य क्या है? इसमें मैला ढोने वालों की जाति का उल्लेख है। इसका क्या मतलब है।

जेलों में हो रहा है भेदभाव

याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट में दायर अपनी याचिका में कहा था कि, इन राज्यों की जेल संहिता जेलों के अंदर काम के आवंटन में भेदभाव करती हैं और कैदियों की जाति के आधार पर उन्हें रखने की जगह तय होती है। याचिका में केरल जेल नियमों का हवाला देते हुए कहा गया कि वे आदतन और फिर से दोषी ठहराए गए दोषियों के बीच अंतर करते हैं। जिसमें कहा गया है कि जो लोग आदतन लुटेरे, घर तोड़ने वाले, डकैत या चोर हैं, उन्हें वर्गीकृत किया जाना चाहिए और अन्य दोषियों से अलग किया जाना चाहिए।

बेटियों और किसानों के साथ बहुत अन्याय हुआ... प्रियंका गांधी ने हरियाणा में विनेश के मंच से भरी हुंकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने हरियाणा के जुलाना में किसान, पहलवान और अग्निवीर योजना को लेकर केंद्र सरकार पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा किसानों, जवानों और पहलवानों का प्रदेश है। कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व रेसलर विनेश फोगाट के समर्थन में रैली करते हुए प्रियंका ने कहा कि मोदी सरकार में हरियाणा और देश की बेटियों और किसानों के साथ बहुत अन्याय हुआ है। विनेश जैसी बेटियों के साथ अन्याय हुआ। उन्होंने कहा कि ये भगवान श्रीकृष्ण की धरती है, जहां अन्याय के खिलाफ न्याय की जीत हुई। भगवान ने न्याय का साथ दिया।

प्रियंका गांधी ने कहा कि हरियाणा की जनता के साथ हर स्तर पर अन्याय किया जा रहा है। आज फिर अन्याय के खिलाफ लड़ने का समय आ गया है। हरियाणा की जनता के जागने और परिवर्तन करने का समय आ गया है। उन्होंने किसान आंदोलन का जिक्र किया और कहा कि किसान दिल्ली बॉर्डर पर महीनों तक डटे रहे, 750 किसान शहीद हो गए लेकिन प्रधानमंत्री ने उनसे मुलाकात नहीं की। किसानों के ऊपर डंडे बरसाये गये। इसी तरह जंतर मंतर पर देश के लिए खेलने वाली बेटियों पर जुल्म हुआ।

भ्रष्टाचार पर प्रियंका का पलटवार

प्रियंका गांधी ने सीधे प्रधानमंत्री पर हमले करते हुए कहा कि मोदी जी रैलियों में ना जाने पुरानी बातें कर-कर के जिस तरह से हमले करते रहते हैं, उसे देख सुनकर बहुत हंसी आती है। उन्होंने कहा कि मोदी जी पुराने भ्रष्टाचारों की बातें करते हैं, लेकिन इससे बड़ा भ्रष्टाचार क्या होगा कि सारा कारोबार केवल दो उद्योगपतियों को दिया जा रहा था। उन्होंने कहा कि आज बीजेपी हरियाणा में 24 उपज पर एमएसपी देने की बात कर रही है लेकिन उनमें से 10 ऐसी फसलें हैं, जो हरियाणा में किसान उगाते ही नहीं।

बेरोजगारी को लेकर केंद्र पर हमला

प्रियंका गांधी ने इस दौरान हरियाणा में बेरोजगारी और अग्निवीर को लेकर केंद्र सरकार पर हमला किया। उन्होंने कहा कि सारे काम काज अगर अडानी, अंबानी को ही दे दिये जायेंगे तो युवाओं को रोजगार कहां से मिलेगा। उन्होंने अग्निवीर को लेकर भी बड़ा हमला किया है। प्रियंका ने कहा कि ये कैसी योजना है जिसके तहत कोई युवा शहीद हो जाये तो उनके परिवार की मदद के लिए पास कोई योजना नहीं है। युवाओं के चार साल बाद फिर से नौकरी खोजनी होगी।

हरियाणा से लगाव की कहानी सुनाई

प्रियंका गांधी ने इस दौरान हरियाणा से अपने लगाव की कहानी सुनाई। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी यहां बास्केटबॉल खेलती थी। तभी उनका यहां आना जाना लगा रहता था। एक दिन सोनीपत कैंप से थोड़ी दूरी पर अपनी बेटी को पाठशाला के लिए छोड़ने गई। उन्होंने कहा कि मैंने यहां खेतों में जाकर देखा और वहां एक दादा जी काम कर रहे थे। उनसे बातें कीं और उनके साथ फसलों की कटाई करना सीखा। उन्होंने मुझे पहचाना नहीं। बातचीत आगे बढ़ी। तो उन्होंने कहा- घर चलिए।

थाने में भाकियू का धरना : उपलों की चिता बनाकर लेटे बुजुर्ग किसान दलवीर, आत्मदाह का एलान, दौड़े-दौड़े आए एसओ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मेरठ। मेरठ की मोहिउद्दीनपुर गन्ना समिति में चुनाव गड़बड़ी को लेकर परतापुर थाने पर भारतीय किसान यूनियन का धरना छठे दिन बुधवार को भी जारी रहा। एक किसान चिता बनाकर उस पर लेट गए और आत्मदाह का एलान कर दिया। इससे थाने में हड़कंप मच गया।

किसान मंगलवार को अपने भैंसा बुग्गी और बैल बुग्गी लेकर थाने पहुंच गए थे। थाने के अंदर उन्होंने बुग्गी खड़ी कर दी, जिससे प्रशासन तनाव में आ गया था। बुग्गी हटवाने को लेकर किसानों के साथ पुलिस प्रशासन की नोकझोंक भी हो गई थी।

वहीं बुधवार को बुजुर्ग किसान दलवीर ने थाना परिसर में चिता लगाकर आत्मदाह करने का एलान कर दिया। दलवीर चिता पर लेट गए। इसके बाद थाने में हड़कंप मच गया। थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार दौड़े-दौड़े आए और किसान को चिता से उठाने के लिए मिन्नतें करने लगे। लेकिन किसान ने कहा कि जब तक चुनाव निरस्त नहीं होंगे, वह चिता से नहीं उठेंगे। बात नहीं मानी तो आत्मदाह कर लेंगे।

कर्मठता, अनुशासन, पारिवारिक संस्कारों के साथ पीएम मोदी का हर काम देश के नाम: सीएम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तिगत जीवन अनुशासन व सादगी से भरा है। सामान्य नागरिक, कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने शून्य से यात्रा प्रारंभ की। अपनी कर्मठता, विचार परिवार से मिले अनुशासन, पारिवारिक संस्कारों के जरिए हर काम देश के नाम के लक्ष्य के साथ उन्होंने जीवन को आगे बढ़ाया तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के संवैधानिक प्रमुख (भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री) के रूप में हम सभी का नेतृत्व कर रहे हैं। आर. बाला सुब्रमण्यम की पुस्तक उनके विस्तृत स्वरूप का उल्लेख करती है। हर किसी को इस पुस्तक का हर किसी को अवलोकन करना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन सभागार में आयोजित सेवा पखवाड़ा संगोष्ठी को संबोधित किया। सीएम योगी ने आर बालासुब्रमण्यम द्वारा लिखित पुस्तक पॉवर विदिनः द लीडरशिप लीगेसी ऑफ नरेंद्र मोदी से जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की। यह कार्यक्रम लखनऊ समेत प्रदेश के अनेक जनपदों में भी आयोजित किया गया। सीएम योगी ने कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जन्मदिवस पर उन्हें नमन करते हुए उनके कृतित्व व व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डाला।

मोदी जी के विजनरी लीडरशिप में सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में स्थापित हुई भाजपा

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी का प्रयास रहा कि भाजपा केवल सत्ता प्राप्त करने वाली पार्टी न बने। भारत यदि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है तो भारत का वास्तविक प्रतिनिधित्व करने वाली भाजपा को सबसे बड़े लोकतंत्र के सबसे बड़ी पार्टी के रूप में गौरव प्राप्त हो, यह भी पीएम मोदी के विजनरी लीडरशिप में संभव हो पाया। यदि देश किसी आपदा या चुनौती से घिर गया हो तो 'सेवा ही संगठन' के मूल मंत्र का ध्यान रखते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया, इस पर कोरोना के दौरान भाजपा के लाखों कार्यकर्ता जनता की सेवा में लग गए थे। कोविड प्रबंधन को सफलतापूर्वक बढ़ाने में भारत ने बेहतरीन मॉडल प्रस्तुत किया।

पीएम मोदी के व्यक्तित्व को प्रस्तुत करती है पुस्तक

सीएम योगी ने कहा कि आर बालासुब्रमण्यम द्वारा लिखित पुस्तक 'पॉवर विदिनः द लीडरशिप लीगेसी ऑफ नरेंद्र मोदी' पीएम के संपूर्ण व्यक्तित्व को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करती है। यह केवल पुस्तक नहीं है, बल्कि शून्य से शिखर की यात्रा का नाम है, जिसे नया भारत न केवल देख रहा है, बल्कि उसके अनुसार जीवन भी जी रहा है। मोदी जी के सक्षम व विजनरी लीडरशिप में नए भारत का दर्शन हो रहा है। वे सेवा के संकल्प की जिस यात्रा को लेकर बढ़े हैं, उसे समृद्धि की नई ऊंचाई तक पहुंचाने और विकसित भारत की संकल्पना को आगे बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों के प्रतिफल को इस पुस्तक के माध्यम से देश-दुनिया के सामने रखने का प्रयास किया गया है।

लक्ष्य के साथ विकसित भारत का रास्ता भी बताना पीएम मोदी के विजनरी नेतृत्व का गुण

सीएम योगी ने कहा कि कोई भी देश अचानक विकसित नहीं हुआ। उन सभी ने बड़े विजन व लक्ष्य के साथ काम किया। जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा था तो पीएम मोदी ने 2047 तक विकसित भारत का रोडमैप दिया और इसके लिए पंच प्रण का रास्ता भी बताया। लक्ष्य देने के साथ ही रास्ता बताना विजनरी नेतृत्व का गुण होता है। दस वर्ष के कार्यकाल के दौरान पीएम मोदी ने मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल को धरातल पर उतारने का कार्य भी दिया। भारत को इंफ्रास्ट्रक्चर के रूप में समृद्ध किया। जहां कोई नहीं पहुंच पाया, वहां भारत का चंद्रयान पहुंचा है।

समावेशी विकास व कल्याणकारी योजनाओं का किया अनुभव

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के समावेशी विकास व कल्याण योजनाओं का हर किसी ने अनुभव किया। 'सर्वे भवन्तु सुखिन, सर्वे सन्तु निरामया' भारत की ऋषि परंपरा की देन रही है तो वहीं 2014 में पीएम मोदी ने सबका साथ, सबका विकास का मंत्र दिया। संकट आने पर नेतृत्वकर्ता का गुण होता है कि डटकर मुकाबला करने के लिए खुद को तैयार करे और जनता के उद्धार का मार्ग प्रशस्त कर सके। कोरोना के समय पीएम मोदी ने देखा कि श्रमिक वर्ग, कारीगर, हस्तशिल्पी के रोजगार पर बुरा असर पड़ा तो उन्होंने 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन की सुविधा दी। इसके साथ ही अनेक योजनाओं का लाभ दिया गया। इसमें चेहरा, जाति, भाषा, क्षेत्र देखे बिन सबका साथ, सबका विकास का समावेशी भाव था। इन योजनाओं ने भारत की छवि को ईज ऑफ लिविंग के बेहतरीन प्रयास करने वाले देश के रूप में प्रस्तुत किया।

गरीबों की मदद तो पाकिस्तान को धूल भी चटाया

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में एक तरफ कोरोना में उन्होंने ट्रेस, टेस्ट, ट्रीट, टीका फ्री में उपलब्ध कराया गया। जब रोजगार छीन गया तो गरीबों की हरसंभव मदद की। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान ने दुस्साहस किया तो सर्जिकल स्ट्राइक व बालाकोट में एयर स्ट्राइक में भी पीछे नहीं हटे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण सिर्फ कर्तव्य नहीं, बल्कि दिव्य जिम्मेदारी भी है। सिखों की आस्था से जुड़े करतारपुर कॉरिडोर का निर्माण हुआ तो बाल दिवस को गुरु गोविंद सिंह के चार-चार साहिबजादों की स्मृति के रूप में मान्यता दिलाकर पीएम मोदी ने एक भारत-श्रेष्ठ भारत की परंपरा को बढ़ाने का कार्य किया। योग ऋषि परंपरा का प्रसाद है। 21 जून पर विश्व योग दिवस के जरिए लगभग पौने दो सौ देश को योग परंपरा से जोड़ा। 2019 में प्रयागराज कुंभ को दिव्य-भव्य रूप से जुड़ने का अवसर मिला। यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता प्राप्त हो, यह भी पीएम मोदी के प्रयास से संभव हुआ।

पीएम के नेतृत्व में असम, त्रिपुरा, ओडिशा में भी बनी भाजपा सरकार

योगी ने कहा कि पीएम के नेतृत्व में भाजपा ने कठिन क्षेत्रों में भी पहुंच बनाई। असम में जब भाजपा ने पहली बार सरकार बनाई तो आपके बीच से ही कार्यकर्ता डॉ. महेंद्र सिंह को प्रभारी के रूप में भेजा गया। त्रिपुरा में भाजपा सरकार बनी। मणिपुर, अरुणांचल, मेघालय व नागालैंड में भाजपा के सहयोग से सरकार चल रही है। इन क्षेत्रों में भाजपा व भारत के बारे में लोगों के मन में संशय था। उनमें अलगावाद का भाव देखने को मिलता था, क्योंकि कांग्रेस व 2014 के पहले की सरकारों ने उन्हें आत्मीयता के साथ नहीं जोड़ने का प्रयास नहीं किया। वहीं पीएम मोदी ने लुक ईस्ट पॉलिसी के तहत नॉर्थ ईस्ट को जिस भाव से जोड़ा, उसकी बदौलत आज वह विकास की मुख्यधारा से जुड़ा है। उग्रवाद से मुक्त होकर भारत की एकता-अखंडता को मजबूती प्रदान किया है। यह लोग भी सांस्कृतिक व राजनीतिक रूप से जुड़कर गौरव की अनुभूति करते हैं। ओडिशा में भाजपा की सरकार है तो प. बंगाल में भाजपा प्रमुख विपक्षी दल है। वहां भाजपा मजबूती के साथ जनता की आवाज बनकर बढ़ी है। देश के बड़े क्षेत्र में भाजपा की राज्य सरकारें काम कर रही हैं। मोदी जी ने कहा था कि देश के हित में भाजपा की जीत आवश्यक है।

अब भारत जो चाहेगा, दुनिया में वही होगा

सीएम योगी ने कहा कि एक समय था, जब दो ध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था बन चुकी थी। एक का नेतृत्व अमेरिका व दूसरे का रूस (सोवियत संघ) करता था। धीरे-धीरे व्यवस्था एकतरफा होती गई, लेकिन आज वैश्विक व्यवस्था का ध्रुवीकरण भारत के बिना संभव नहीं है। भारत जो चाहेगा, दुनिया में वही होगा। भारत में जी-20 समिट के सफलतापूर्वक कार्यक्रम भी हुए। अनेक कार्यक्रमों में उत्तर प्रदेश में जुड़ने का अवसर मिला।

मण्डलायुक्त उप पुलिस महानिरीक्षक व जिलाधिकारी ने की शारदीय नवरात्र मेला के तैयारियों की समीक्षा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मीरजापुर। मण्डलायुक्त डॉ0 मुथुकुमार स्वामी बी0 ने उप पुलिस महानिरीक्षक आर0पी0 सिंह व जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के साथ प्रशासनिक भवन विन्ध्याचल में 02/03 अक्टूबर 2024 से प्रारम्भ होने वाले नवरात्र मेला के तैयारियों के बारे में समीक्षा की। मण्डलायुक्त ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि मेला क्षेत्र में स्थापित किए जाने वाले हेल्थ कैम्पो में दवाईयां पर्याप्त मात्रा में होने के साथ उनमें डाक्टरों की भी तैनाती की जाए। उन्होंने कहा कि आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेंस में जीवन रक्षक दवाईयों के साथ-साथ तकनीकी सहायकों की भी तैनाती की जाए। उन्होंने कहा कि मन्दिर परिसर के अन्दर पान गुटका खाकर थूकने वाले का नियमानुसार चालान किया जाए। उन्होंने सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक विन्ध्याल को निर्देशित करते हुए कहा कि रोडवेज बसो के संचालन में समय का ध्यान देने के साथ ही कौन सी कब कहा जाएगी उसकी सूची बनाकर परिसर में चस्पा कराए जिससे श्रद्धालुओं के आवागमन में कोई कठिनाई न हों। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित करते हुए कहा कि मेला क्षेत्र में दुकानदारों को प्लास्टिक का उपयोग न करने की सलाह दे इसके बाद यदि कोई दुकानदार प्लास्टिक का प्रयोग कर रहा है उसके विरूद्ध नियमानुसार कड़ी कार्यवाही करें। उन्होंने अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत को निर्देशित करते हुए कहा कि नाव संचालको का नाम व मोबाइल नम्बर कंट्रोल रूम में उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र मे तैनात अधिकारियों/कर्मचारियों की सूची उपलब्ध कराना, खोया पाया केन्द्र, ध्वनि विस्तारक यंत्र, अष्टभुजा गेस्टहाउस को वी0आई0पी0 आगंतुको हेतु साफ सफाई कराने, अष्टभुजा रैन बसेरा पर चिकित्सीय शिविर की व्यवस्था सहित सभी आवश्यक व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। मण्डलायुक्त ने कहा कि घाटो की साफ सफाई, जालीदार बैरीकेटिंग, शौचालय व महिलाओं के वस्त्र बदलने हेतु चेंजिग रूम अविलम्ब पूर्ण करा लें। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका मीरजापुर के द्वारा मण्डलायुक्त को अवगत कराया गया कि घाटो की सफाई व घाटो अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं कल सांय पूर्ण करा ली जाएंगी। उन्होंने कहा कि गलियों व प्रमुख मार्गो पर सी0सी0टी0वी0 कैमरा लगवाया जाए। उप पुलिस महानिरीक्षक आर0पी0 सिंह ने कहा कि पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि ड्यूटी में लगाए पुलिस अधिकारी व कर्मचारी अपने सेक्टर मजिस्ट्रेट से समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित ड्यूटी स्थल पर पूरे मुस्तैदी के साथ तैनात रहेंगे। मेला क्षेत्र में भीड़ एवं वाहनों के नियंत्रण हेतु यथा स्थान मेला प्रारम्भ होने के पूर्व बैरीकेटिंग पूर्ण करा लें। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र की प्रमुख एवं परिसर में सी0सी0टी0 कैमरा लगाते हुए सर्तक दृष्टि रखी जाए। उन्होंने कहा कि जहां पर सी0सी0टी0वी0 कंट्रोल रूम बनाया गया है वहां पर पुलिस एक टीम रखी जाए जिन्हें तकनीकी जानकारी हो ताकि किसी प्रकार समस्या आने पर सम्बन्धित को अवगत कराया जा सकें।

राजधानी में मिले डेंगू के 49 नये मरीज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी में लगातार डेंगू का डंक तेज होता जा रहा है। बुधवार को लखनऊ में डेंगू के 49 (रेडक्रास-एक, टूडियागंज-चार, सिल्वर जुबली-छः,चिनहट-तीन,इन्दिरानगर-दस, चन्दरनगर-सात, ऐशबाग-तीन,इटौजा-एक, गोसाईगंज-दो, सरोजनीनगर-एक,अलीगंज-नौ, बीकेटी-दो) मरीज मिलें। तो वहीं मलेरिया का एक भी मरीज नहीं मिला।

सीएमओ मनोज अग्रवाल ने बताया कि माह जनवरी 2024 से अब तक जनपद में डेंगू के कुल

5,85 रोगी पाये गये। नगर मलेरिया इकाई एवं जिला मलेरिया अधिकारी की टीमों द्वारा जनपद के विभिन्न स्थलो/भवनों का निरीक्षण किया गया तथा लार्वा रोधी रसायन का छिड़काव किया गया।

क्षेत्रीय जनता को घर के आस-पास पानी जमा न होने,पानी से भरे हुए बर्तन एवं टंकियों को ढंक कर रखें, हर सप्ताह कूलर के पानी को खाली करके साफ कपड़े से पोछ कर सूखा एवं साफ करने के बाद ही पुनः प्रयोग में लाने, पूरी बांह के कपड़े पहनने, बच्चों को घर से बाहर न निकलने, मच्छर रोधी क्रीम लगाने एवं मच्छरदानी में रहने तथा डेंगू एवं मच्छर जनित रोगों से बचाव हेतु " क्या करें, क्या न करें " सम्बंधित स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की गयी।

दास्तां खड़े कर देगी रोंगटे : हाथ-पैर बांधकर चंबल में रखा...दी यातनाएं, अपहरणकर्ताओं के चंगुल से बचकर लौटा युवक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में एक युवक अपहरणकर्ताओं के चंगुल से बचकर घर लौटा। उसने जो दास्तां सुनाई, उसे सुनकर लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। किसी तरह पुलिस की मदद से वह घर पहुंच पाया। युवक के लौटने से घर में खुशी की माहौल है।

फतेहाबाद थाना क्षेत्र के पूंठपुरा कल्याणपुर निवासी सर्वेश कुमार (38) का 26 सितंबर को अपहरण हो गया था। बुधवार को वह पुलिस की मदद से घर लौटा। उसने आपबीती बताई तो लोगों के होश उड़ गए। उसने बताया कि वह शौच के लिए गया था। वहां कार में कुछ युवक बैठे थे।

वह नजदीक पहुंचा तो कार से टक्कर मार दी। वह गिर गया तो बदमाश उसके हाथ-पैर बांधकर गाड़ी में डाल ले गए। उसे चंबल के बीहड़ में रखा गया था। वहां उसे कई तरह की यातनाएं दीं। बुधवार को वह किसी तरह मुक्त होकर उनके चंगुल से भाग निकला।

अपहरणकर्ताओं ने उसका पीछा किया। काफी भागने के बाद मध्या प्रदेश की सीमा पर धौलपुर पुलिस गशत करते मिलते गई। पुलिस को देखकर अपहरणकर्ता भाग गए। उसने पुलिस को सारी बात बताई। पुलिस ने उसकी मदद की। एएसआई गिरवर सिंह ने फतेहाबाद थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने पर युवक को उसके सुपुर्द कर किया।

ये क्या दरोगा जी? रिपोर्ट में लगा दी महिला की आपत्तिजनक फोटो, अब खुद पर बैठ गई जांच

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक दरोगा का अजब कारनामा सामने आया है। दरोगा ने एक महिला के किरायेदारों से विवाद की शिकायत को जांच में फर्जी बताकर अधिकारियों को रिपोर्ट सौंप दी। इतना ही नही दरोगा ने जांच रिपोर्ट के साथ पीड़ित महिला का आपत्तिजनक फोटो लगा दिया। आपत्तिजनक फोटो लगाए जाने पर महिला ने एसएसपी से शिकायत की है। महिला की शिकायत मिलने पर एसएसपी ने जांच के आदेश दिए है। दरअसल पूरा मामला बरेली के थाना सुभाषनगर थाना क्षेत्र का है। यहां एक महिला और किरायेदारों के बीच में विवाद हो गया था। इसकी शिकायत महिला ने सुभाषनगर थाने में की। सुभाषनगर थाने में तैनात दरोगा ने शिकायत को जांच में फर्जी बताकर अधिकारियों को रिपोर्ट सौंप दी। इतना ही नहीं जांच में दरोगा ने महिला की आपत्तिजनक फोटो लगाकर रिपोर्ट भेज दी। रिपोर्ट पर लगे फोटो को आपत्तिजनक बताकर महिला ने एसएसपी से शिकायत की।

'राधा-कृष्ण चुराए तो बेटा बीमार हो गया...बुरे सपने आ रहे हैं', लिखा- मूर्तियां वापस रख लीजिए

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। शृंग्वेरपुर के गऊघाट आश्रम मंदिर से चोरी हुई राधा-कृष्ण की अष्टधातु की मूर्ति आठ दिन बाद हाईवे के सर्विस मार्ग के बगल से बरामद हो गई। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस को मौके से चोर का माफीनामा मिला, जिसमें उसने अपनी अज्ञानता का उल्लेख करते हुए मूर्ति लौटाने की बात लिखी थी। लिखा-पढ़ी के बाद मूर्ति को आश्रम संचालक को सुपुर्द कर दिया गया।

एक सप्ताह पूर्व शृंग्वेरपुर धाम के गऊघाट आश्रम स्थित श्रीराम-जानकी मंदिर का ताला तोड़कर अष्टधातु की 100 वर्ष पुरानी राधा-कृष्ण की मूर्ति चोरी हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में भी लिया था, लेकिन मूर्ति का कोई सुराग नहीं मिला। मंगलवार की सुबह करीब 11.30 बजे हंडिया-कोखराज के सर्विस मार्ग पर आश्रम के सामने किसी ने मूर्ति देखी तो आश्रम के महंत को जानकारी दी।

सूचना पाकर आश्रम के पुजारी

और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। मूर्ति के पास पुलिस को एक पत्र भी मिला। इसमें चोर ने पश्चाताप करने के साथ क्षमा मांगते हुए मूर्ति लौटाने की बात लिखी थी। पुलिस ने मूर्ति को आश्रम के संचालक फलाहारी महंत स्वामी जयराम दास महाराज को सुपुर्द कर दिया। महंत ने पूजन-अर्चन और गंगा जल से स्नान कराने के बाद मूर्ति को मंदिर में स्थापित कर दिया।

माफीनामे में चोर ने लिखा....

महाराज जी प्रणाम, मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई थी। अज्ञानतावश मैंने राधा-कृष्ण की मूर्ति गऊ घाट से चुरा ली थी। जबसे मूर्ति चुराई है तब से बुरे-बुरे सपने आ रहे हैं और मेरे बेटे की तबीयत भी बहुत खराब हो गई है। थोड़े पैसों के लिए मैंने बहुत गंदा काम किया है। मैंने मूर्ति को बेचने के लिए उसके साथ काफी छेड़छाड़ की है। अपनी गलती की माफी मांगते हुए मैं मूर्ति को रखकर जा रहा हूं। आपसे विनती करता हूं कि मेरी गलती को माफ करते हुए भगवान को फिर से मंदिर में रख दिया जाए। पहचान छिपाने के लिए मूर्ति की पालिश कराकर उसका आकार बदल दिया है। महाराज जी हमारे बाल बच्चों को क्षमा करते हुए अपनी मूर्ति स्वीकार करें।

अंबियापुर स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर मिला फायर सेफ्टी सिलिंडर, जांच में जुटी जीआरपी और आरपीएफ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। कानपुर देहात में दिल्ली-हावड़ा रेलवे ट्रैक पर अंबियापुर रेलवे स्टेशन के पास डाउन लाइन पर खंभा नंबर 1070/ 18 के पास ट्रैक के बीचों बीच फायर सिलिंडर पड़ा मिला। सुबह छह बजकर 13 मिनट पर इटावा से सहारनपुर के लिए जा रही मालगाड़ी के चालक ने ट्रैक पर सिलिंडर पड़ा देखा, तो सूचना स्टेशन मास्टर महेंद्र प्रताप को दी। इसके बाद मौके पर पहुंचे प्वाइंट मैन रामचंद्र व आरपीएफ के सिपाही सचिन कुमार ने सिलिंडर को उठाकर स्टेशन में रखा है। जीआरपी, आरपीएफ ने पहुंच कर जांच की। जीआरपी प्रभारी रजनीश राय ने बताया कि सुबह के समय डाउन ट्रैक से गुजरी किसी ट्रेन से सिलिंडर गिरने का अनुमान है। मामले की जांच की जा रही है।

'रुक रही मेरी सांस'... अस्पताल में हार्ट के डॉक्टर नहीं, जान बचाने के लिए चिल्लाता रहा मरीज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बाराबंकी. उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के लाख दावों के बाद भी स्वास्थ्य व्यवस्था हाशिए पर है जिसकी बानगी बाराबंकी जिला अस्पताल दे रहा है। प्रदेश के इस अस्पताल का हाल बेहाल है। यहां बीते दो सालों से हार्ट का कोई डॉक्टर नहीं है। यहां तक कि दिल की जांच करने वाली मशीन भी कमरे में सालों से बंद पड़ी धूल खा रही हैं। ऐसे में यहां पहुंचने वाले हार्ट पेशेंट की जान जा रही है। ऐसा ही एक मामला एक बार फिर से सामने आया जिसमें एक हार्ट पेशेंट जिला अस्पताल पहुंचा और इलाज के लिए हार्ट का डॉक्टर न होने के चलते उसने देखते ही देखते दम तोड़ दिया। युवक बाराबंकी में देवा थाना क्षेत्र के चंदौली गांव का रहने वाला था। युवक का नाम रणविजय सिंह था जिसके सीने में सुबह करीब 11 बजे काफी तेज दर्द उठा है। परिजन उसे लेकर आनन-फानन में जिला अस्पताल पहुंचे, लेकिन यहां एक स्ट्रेचर मिला, जिसके पहिए भी चल नहीं रहे थे। मजबूरी में परिजनों ने उसे अपने हाथों में उठाया और अस्पताल के अंदर लेकर पहुंचे। सबसे बड़ी समस्या यहां ये खड़ी हुई कि अस्पताल में हार्ट का कोई डॉक्टर ही नहीं था। चश्मदीदों के मुताबिक युवक चिल्ला रहा था कि सीने में तेज दर्द हो रहा है, सांस रुक रही है, मुझे बचा लीजिए लेकिन अस्पताल में कोई हार्ट का डॉक्टर ना होने के कारण युवक की पुकार को किसी ने नहीं सुना। हालांकि, अस्पताल के बाकी डॉक्टरों ने मरीज को बचाने की खूब कोशिश की। जिला अस्पताल में ट्रेनी के रूप में काम करने वाले डाक्टर ने युवक को तड़पता देख उसे तुरंत ऑक्सीजन दिया और उसे सीपीआर देना शुरू कर दिया।

पितृ विसर्जन पर करा रहा था शेविंग, तभी नाई की दुकान में घुसी डीसीएम, हुई मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी में इस वक्त बड़ा हादसा हो गया। जब कुछ लोग नाई की दुकान पर शेविंग करा रहे थे। एक डीसीएम गाड़ी अनियंत्रित होकर नाई की दुकान में घुस गई। वहीं इस हादसे में नाई की दुकान पर पितृ विसर्जन पर शेविंग करा रहे एक अधेड़ की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर घायल हो गए। वहीं हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। हादसे से आक्रोशित लोगों ने कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाइवे को जाम कर दिया।

कौशांबी जिले के मूरतगंज में एक डीसीएम गाड़ी अनियंत्रित होकर नाई की दुकान में घुस गई। इस हादसे में एक शख्स की मौत हो गई जबकि दो अन्य लोग गंभीर घायल हो गए। घटना की सूचना पर भारी मात्रा में पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची। वहीं गुस्साए लोगों ने कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाइवे को जाम कर दिया। पुलिस ने गावंवालों को किसी तरह से समझा कर जाम खुलवाया।

हादसे के बाद मची चीख पुकार

हादसे के बाद लोगों की चीख पुकार मच गई। लोगों ने पुलिस को सूचना देने के बाद डीसीएम गाड़ी को आगे पीछे करने का प्रयास किया और राजेश को बाहर निकाला। वहीं दो अन्य लोगों को गांवालों ने बाहर निकाला और इलाज के लिए एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। जहां उनकी हालत नाजुक होने पर प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया गया।

लोगों ने हाइवे किया जाम

वहीं घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाइवे पर चक्का जाम कर दिया। चक्का जाम की सूचना पर भारी मात्रा में पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद गांववालों को समझा कर जाम को खुलवाया। जाम की वजह से हाइवे के दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी लाइन लग गई।

महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजाजीपुरम के बुद्धेश्वर चौराहे के पास गंगा विहार कालोनी, पिंक सिटी में माण्डवी फाउण्डेशन द्वारा महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान का कार्यक्रम किया गया। फाउण्डेशन अध्यक्ष शिवेन्द्र सिंह ने महिलाओं को उनके मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य बताये।

उन्होंने कहा कि यदि महिला सुरक्षित है तो देश सुरक्षित और समृद्ध होता है। नारी शक्ति ही असम्भव को सम्भव बना सकती है। जहाँ नारी का सम्मान होता है वहीं स्वर्ग होता है। भारत की तो यह संस्कृति रही है कि नारी को उम्र के प्रत्येक पड़ाव पर पूज्य माना गया है। पहले वह कन्या के रूप में फिर शादी के बाद गृह लक्ष्मी के रूप में, मां के रूप में पूज्य मानी गयी है। कार्यक्रम के दौरान कई महिलाओं ने अपने सुझाव भी साझा किया। महिलाओं में अपार शक्ति और क्षमता एवं सहन शक्ति होती है, जो कार्य वो ठान लेती हैं कर के दिखाती

है। रानी लक्ष्मी बाई, झलकारी बाई, ऊदा बाई, अहिल्या बाई, पद्मावती जिन्होंने अपने देश की सुरक्षा के अपना बलिदान दे दिया। कार्यक्रम में माण्डवी फाउण्डेशन के अध्यक्ष शिवेन्द्र सिंह व सदस्यगण सोनी रावत, मीनाक्षी देवल (मीना), सेनू गुप्ता, प्रज्ञा सिंह, चाँदनी पाण्डेय, जेसिका सिंह, आलोक त्रिपाठी , श्रीप्रकाश शर्मा, आलोक कश्यप, सचिन देवल, अंकित पाण्डेय, अमरेन्द्र सिंह, जय सिंह , सुरेश रावत आदि ने कार्यक्रम में बड़े हर्षोल्लास के साथ भाग लिया।

गांधी जी के नेतृत्व में चला आजादी का आंदोलन अंग्रेजों के राज को समाप्त करने में रहा सफल: सीएम योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी आजादी के महानायक थे। महात्मा गांधी द्वारा राष्ट्र और मानवता के लिए किए गए उनके योगदान के प्रति देश कृतज्ञता ज्ञापित कर रहा है। मान्यता थी कि ब्रिटिश साम्राज्य का सूर्य कभी अस्त नहीं होता था, लेकिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में चला आजादी का आंदोलन उनके सूर्य को अस्त करने में सफल रहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महात्मा गांधी की जयंती पर क्षेत्रीय गांधी आश्रम में अपने विचार रखे। यहां उन्होंने चरखा चलाया और भजनों का आनंद लिया। सीएम ने यहां खादी के वस्त्रों की खरीदारी भी की। फिर ऑनलाइन पेमेंट भी किया।

देश की आजादी का प्रतीक बना खादी

सीएम योगी ने कहा कि स्वदेशी जब तक भारत की आजादी का मंत्र नहीं बना था, तब तक आजादी की लड़ाई एकजुट होकर नहीं दिख रही

थी। भारत की आजादी के आंदोलन के साथ महात्मा गांधी का जुड़ना और उसे स्वदेशी के साथ जोड़ने का जो अभियान रहा, इससे आजादी के लिए हर नागरिक के मन में गौरव व स्वावलंबन का भाव जागृत हुआ। खादी उसका प्रतीक बना।

12 करोड़ घरों में शौचालय निर्माण नारी गरिमा के गौरव को बढ़ाने का अभियान

सीएम योगी ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वच्छता के प्रति उन अभियानों को ऊंचाई देना है, जिनकी प्रासंगिकता न केवल 100 वर्ष पहले, बल्कि आज भी उसी रूप में बनी है। जिस मिशन को पीएम मोदी ने दस वर्ष पहले प्रारंभ किया थाा, वह आज भी नई ऊंचाई को प्राप्त करता हुआ दिखाई दे रहा है। देश में 12 करोड़ से अधिक घरों में शौचालयों का निर्माण न केवल स्वच्छता के प्रति उनके आग्रह, बल्कि नारी गरिमा के गौरव को बढ़ाने का अभियान भी है। नारी सशक्तिकरण के बिना समाज को स्वावलंबी नहीं बना सकते। स्वच्छता, नारी सशक्तिकरण, स्वदेशी व स्वावलंबन के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के वचनों की प्रासंगिकता आज भी बनी है।

शक्तिशाली व सामर्थ्यवान देशों ने सर्वप्रथम आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया

सीएम योगी ने कहा कि जो भी देश शक्तिशाली व सामर्थ्यवान बने हैं, उन्होंने सर्वप्रथम आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया। अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, जापान ने अपनी उद्यमिता को बढ़ाया है। वहीं देश में पीएम मोदी का 'वोकल फॉर लोकल' भी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वदेशी अभियान को नई ऊंचाई प्रदान करने का कार्यक्रम है।

नया भारत महात्मा गांधी के मूल्यों व आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त करते हुए बढ़ रहा

सीएम योगी ने कहा कि नया भारत महात्मा गांधी के मूल्यों व आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त करते हुए निरंतर बढ़ रहा है। विश्वकर्मा जयंती व पीएम मोदी के जन्मदिन (17 सितंबर) से प्रारंभ हुए सेवा पखवाड़ा के तहत अनेक कार्यक्रम हुए हैं। 25 सितंबर को पं. दीनदयाल उपाध्याय के साथ जुड़ता हुआ दो अक्टूबर को गांधी जयंती पर समापन की तरफ बढ़ रहा है।

हमारे जीवन का हिस्सा बने खादी

सीएम योगी ने कहा कि खादी हमारे जीवन का हिस्सा बने। उन्होंने बताया कि गांधी आश्रम में 108 दिन तक खादी के उत्पादों पर 25 फीसदी छूट दी जाएगी। सीएम ने आह्वान किया कि इस अवधि में खादी की कोई वस्तु अवश्य खरीदें। स्वदेशी वस्तुओं को उपहार स्वरूप भेंट करें। स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल के लिए लोगों को प्रेरित करें। इससे अधिक से अधिक रोजगार का सृजन होगा और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को भी साकार करने में मदद मिलेगी। यह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के अभियान के स्वरूप विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में मदद करेगा। सीएम ने अपील की कि पर्व-त्योहार में विदेशी वस्तुओं की बजाय स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें।

सीएम योगी ने राष्ट्रपिता की प्रतिमा पर की पुष्पांजलि

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर जीपीओ स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। यहां स्कूली बच्चों ने नारायण-नारायण जय गोविंद हरे, नारायण-नारायण जय गोपाल हरे, वह शक्ति हमें दो दयानिधे, रघुपति राघव राजाराम आदि गीतों से भावांजलि दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चों की भी हौसलाअफजाई की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने क्षेत्रीय गांधी आश्रम में चरखा भी चलाया।

झाड़ू लगाकर सीएम ने दिया स्वच्छता का संदेश

जीपीओ में कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़कों पर झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश भी दिया। सीएम के साथ अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी झाड़ू लगाया।

कार्यक्रमों में इनकी रही मौजूदगी

कार्यक्रमों के दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद बृजलाल, संजय सेठ, विधायक योगेश शुक्ल, नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, मुकेश शर्मा, लालजी प्रसाद निर्मल, रामचंद्र प्रधान, इंजी. अवनीश सिंह, पवन सिंह, मुख्य सचिव मनोज सिंह आदि मौजूद रहे।

सीएम योगी ने लाल बहादुर शास्त्री को भी किया नमन

सीएम योगी ने खादी आश्रम में पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी राष्ट्रपिता के अनन्य भक्त व अनुयायी थे। वे गांधी जी के आह्वान पर देश के आजादी के आंदोलन में जुड़े थे। उन्हें 1964 में प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा का अवसर प्राप्त हुआ। देश खाद्यान्न सुरक्षा के मामले में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त कर सके, उसका परिणाम शास्त्री जी के छोटे कार्यकाल के दौरान भी देखने को मिला।

शास्त्री जी के नेतृत्व में भारत ने कराया पराक्रम का परिचय

सीएम योगी ने कहा कि 1965 में दुश्मन देश द्वारा थोपे गए युद्ध का जवाब भारत ने तेजस्विता के साथ दिया था। यह देश के उस स्वरूप को दिखाता है कि विश्व मानवता के कल्याण के लिए कार्य करेंगे, लेकिन हमारी सीमाओं पर कोई अतिक्रमण करेगा तो उसका मुंहतोड़ जवाब भी देंगे। शास्त्री जी के नेतृत्व में उस समय भारत ने भी अपने पराक्रम का परिचय दुश्मन देश को कराया और विश्व के सामने भारत को वैश्विक ताकत के रूप में स्थापित करने में योगदान दिया।

सादगी, सदाचार, शुचिता व कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक पुरुष थे शास्त्री जी : मुख्यमंत्री

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जन्मदिवस पर उन्हें नमन किया। सीएम योगी ने शास्त्री भवन पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। इस दौरान विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, लालजी प्रसाद निर्मल, मुख्य सचिव मनोज सिंह आदि मौजूद रहे।

'जय जवान-जय किसान' के उद्घोष से शास्त्री जी ने राष्ट्र में नवचेतना का संचार किया था

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा कि सादगी, सदाचार, शुचिता व कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक पुरुष थे। 'जय जवान-जय किसान' के उद्घोष से राष्ट्र में नवचेतना का संचार करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री, 'भारत रत्न' लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन। सीएम ने लिखा कि भारतीय राजनीति में सादा जीवन-उच्च विचार सिद्धांत के श्रेष्ठतम प्रतीक पुरुष थे। वे लोकतंत्र की 'पाठशाला' थे।

काम आई योगी सरकार की सख्ती और प्रोत्साहन की नीति

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पराली जलाने को लेकर योगी सरकार की सख्ती और प्रोत्साहन की नीति कामयाब रही। दरअसल, योगी सरकार किसानों को पराली जलाने से होने वाले नुकसान और जलाने की बजाय उनकी कम्पोस्टिंग करने या सीड ड्रिल से पराली के बीच ही बिना जोते ही गेहूं बोने से होने वाले लाभ को समझाने में सफल रही।

इस नीति की वजह से सात वर्षों में पराली जलाने की घटनाओं में करीब 46 फीसद की कमी आई है। 2017 में पराली जलाने की 8784 घटनाएं हुई थीं। 2023 में ये घटकर 3996 हो गईं। किसानों को जागरूक करने का यह सिलसिला इस सीजन में भी जारी है। साथ ही सरकार पराली की खेत में ही कम्पोस्टिंग के लिए 7.5 बायो डी कंपोजर भी उपलब्ध करवा रही है। एक बोतल डी कंपोजर से एक एकड़ खेत की पराली की कम्पोस्टिंग की जा सकती है। मालूम हो कि पराली जलाने पर 15 हजार रुपये जुर्माने का प्रावधान है।

पराली जलाने के दुष्प्रभाव

अगर आप कटाई के बाद धान की पराली जलाने की सोच रहे हैं तो रुकिए और सोचिए। आप सिर्फ खेत नहीं उसके साथ अपनी किस्मत खाक करने जा रहे हैं। क्योंकि, पराली के साथ फसल के लिए सर्वाधिक जरूरी पोषक तत्व नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश (एनपीके) के साथ अरबों की संख्या में भूमि के मित्र बैक्टीरिया और फफूंद भी जल जाते हैं।

पराली में छिपा है पोषक तत्वों का खजाना

शोधों से साबित हुआ है कि बचे डंठलों में एनपीके की मात्रा क्रमशः 0.5, 0.6 और 1.5 फीसद होती है। जलाने की बजाय अगर खेत में ही इनकी कम्पोस्टिंग कर दी जाय तो मिट्टी को यह खाद उपलब्ध हो जाएगी। इससे अगली फसल में करीब 25 फीसद उर्वरकों की बचत से खेती की लागत में इतनी ही कमी आएगी और लाभ इतना ही बढ़ जाएगा। भूमि के कार्बनिक तत्वों, बैक्टिरिया फफूंद का बचना, पर्यावरण संरक्षण और ग्लोबल वार्मिंग में कमी बोनस होगा। गोरखपुर एनवायरमेंटल एक्शन ग्रुप के एक अध्ययन के अनुसार प्रति एकड़ डंठल जलाने पर पोषक तत्वों के अलावा 400 किग्रा उपयोगी कार्बन, प्रतिग्राम मिट्टी में मौजूद 10-40 करोड़ बैक्टीरिया और 1-2 लाख फफूंद जल जाते हैं।

अन्य लाभ

फसल अवशेष से ढकी मिट्टी का तापमान नम होने से इसमें सूक्ष्मजीवों की सक्रियता बढ़ जाती है,जो अगली फसल के लिए सूक्ष्म पोषक तत्व मुहैया कराते हैं। इतना ही नहीं, अवशेष से ढकी मिट्टी की नमी संरक्षित रहने से भूमि के जल धारण की क्षमता भी बढ़ती है। इससे सिंचाई में कम पानी लगने से इसकी लागत घटती है। साथ ही दुर्लभ जल भी बचता है।

गुरु गोरक्षनाथ की तपस्थली पर मां आदिशक्ति की पूजा का शुभारंभ गुरुवार से

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। नाथपंथ के अधिष्ठाता, शिवावतार गुरु गोरखनाथ की तपस्थली गोरक्षपीठ, में मां आदिशक्ति की पूजा के लिए तैयार है। शारदीय नवरात्र की प्रतिपदा गुरुवार, 3 अक्टूबर को गोरखनाथ मंदिर में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शाम 5 बजे शक्ति मंदिर में कलश स्थापना करेंगे। इसके साथ ही दस दिवसीय विशेष अनुष्ठान का शुभारंभ हो जाएगा।

गोरक्षपीठ में शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ के साथ ही शक्ति की आराधना की अद्भुत परंपरा है। मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्ति मंदिर में पूरे नवरात्र (वासंतिक और शारदीय दोनों) अनवरत साधना चलती है। नवरात्र की पूर्णाहुति पर राघव अर्थात भगवान राम का राजतिलक करने की परंपरा अन्यत्र नहीं दिखती। विजयादशमी (दशहरा) पर राघव का राजतिलक करने के लिए गोरक्षपीठाधीश्वर खुद मौजूद रहते हैं।

इस शारदीय नवरात्र गोरखनाथ मंदिर में होने वाले पारंपरिक अनुष्ठान के बारे में मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने बताया कि शारदीय नवरात्र की प्रतिपदा पर गुरुवार (3 अक्टूबर) की शाम 5 बजे गोरखनाथ मंदिर में परंपरागत कलश शोभायात्रा निकलेगी। यह यात्रा मंदिर के परम्परागत सैनिकों की सुरक्षा में निकलेगी जिसमें सभी साधु-संत, पुजारी, योगी, वेदपाठी बालक, पुरोहित एवं श्रद्धालु शामिल होंगे। कलश यात्रा में शिव, शक्ति और महायोगी गोरखनाथ के अस्त्र त्रिशूल को मंदिर के मुख्य पुजारी लेकर चलेंगे। परंपरा के अनुसार त्रिशूल लेकर चलने वाले को 9 दिन मंदिर में ही रहना होता है। कलश शोभायात्रा के समापन पर भीम सरोवर के पवित्र जल पूरित कलश की स्थापना मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्ति मंदिर में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री कलश योगी आदित्यनाथ द्वारा करने के साथ मां भगवती की विशेष उपासना का शुभारंभ हो जाएगा। योगी कमलनाथ ने बताया कि आदिशक्ति मां भगवती दुर्गा के अनुष्ठान शारदीय नवरात्र तथा सत्य, न्याय एवं धर्म की विजय का पावन पर्व विजयादशमी गोरखनाथ मंदिर में परंपरागत तरीके एवं हर्षोल्लास के साथ आश्विन शुक्ल प्रतिपदा से आश्विन शुक्ल दशमी तक विविध अनुष्ठानों के बीच मनाया जाएगा।

प्रतिदिन होगी श्रीमददेवीभागवत की कथा, अष्टमी की शाम महानिशा पूजन करेंगे पीठाधीश्वर

मंदिर के प्रधान पुजारी ने बताया कि मठ में शारदीय नवरात्र में श्रीमददेवीभागवत की कथा एवं दुर्गा सप्तशती का पाठ, प्रतिपदा 3 अक्टूबर से पूरे नवरात्र प्रतिदिन सुबह एवं शाम 4 बजे 6 बजे तक चलेगा। देवी-देवताओं के आह्वान के साथ पूजन-आरती होती रहेगी। 10 अक्टूबर, गुरुवार, अष्टमी की शाम 7 बजे से गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ महानिशा पूजन एवं हवन करेंगे।

महानवमी को कन्या पूजन करेंगे गोरक्षपीठाधीश्वर

11 अक्टूबर, शुक्रवार को शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि के व्रत के साथ पूर्वाह्न 11 बजे से गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुमारी कन्याओं का पांव पखारकर पूजन करेंगे। इस अवसर पर मातृ स्वरूपा कन्याओं के लिए भोज का भी आयोजन होगा और गोरक्षपीठाधीश्वर उन्हें दक्षिणा तथा उपहार भेंट करेंगे। बटुक भैरव के रूप में कुछ बालक भी इस पूजन अनुष्ठान में सम्मिलित होंगे।

विजयादशमी को विविध अनुष्ठान के बाद निकलेगी गोरक्षपीठाधीश्वर की शोभायात्रा, होगा प्रभु श्रीराम का राजतिलक

विजयादशमी के दिन 12 अक्टूबर, शनिवार को सुबह 9:15 बजे गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ, श्रीनाथ जी (गुरु गोरखनाथ) का विशिष्ट पूजन करेंगे। उसके बाद सभी देव विग्रह एवं समाधि पर पूजन होगा। अपराह्न 1 बजे से 3 बजे तक गोरक्षपीठाधीश्वर के तिलकोत्सव का कार्यक्रम चलेगा। उसके बाद 4 बजे से सीएम एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ रथ पर सवार होकर मानसरोवर मंदिर में देव विग्रहों का पूजन एवं अभिषेक करेंगे। इसके उपरांत शाम 5 बजे मानसरोवर रामलीला मैदान में गोरक्षपीठाधीश्वर, श्रीराम दरबार का पूजन करके प्रभु श्रीराम का राजतिलक करेंगे। इस अवसर पर शाम 7 बजे से गोरखनाथ मंदिर में भंडारा का आयोजन होगा।

प्रमुख आयोजनों का होगा सजीव प्रसारण

गोरखनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र के अवसर पर प्रमुख आयोजनों का गोरखनाथ मंदिर के सोशल मीडिया प्लेटफार्म से सजीव प्रसारण भी किया जाएगा। इसे श्रद्धालु मंदिर के फेसबुक पेज http://www.facebook.com/ShriGorakhnathMandir, एक्स हैंडल http://x.com/GorakhnathMndr और यूट्यूब http://youtube.com/ShriGorakhnathMandir पर देख सकेंगे।

गोरखनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र के अनुष्ठान : एक नजर में

- 3 अक्टूबर, गुरुवार : नवरात्र प्रारंभ एवं कलश स्थापना, सायंकाल 5 बजे
- 10 अक्टूबर, गुरुवार : निशा पूजा एवं हवन, सायंकाल 7 बजे
- 11 अक्टूबर, शुक्रवार : महानवमी व्रत, कुमारी कन्याओं का पूजन एवं भोज, प्रातः 11 बजे
- 12 अक्टूबर, शनिवार (विजयादशमी) : श्रीनाथ जी का विशिष्ट पूजन एवं मंदिर परिसर स्थित देव विग्रहों का पूजन प्रातः 9:15 बजे। तिलकोत्सव कार्यक्रम अपराह्न 1 बजे से 3 बजे तक। शोभायात्रा अपराह्न 4 बजे से गोरखनाथ मंदिर से मानसरोवर मंदिर, अंधियारी बाग में देव विग्रहों का पूजन। श्रीराम दरबार का पूजन एवं राजतिलक, रामलीला मैदान में सायंकाल 5 बजे।

डीआरएम ने दिलाया हर हफ्ते दो घंटे श्रमदान का संकल्प

लखनऊ। स्वच्छ रेल-स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत 10वीं वर्षगाँठ के अवसर पर सम्पूर्ण भारतीय रेल पर 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता ही सेवा थीम पर स्वच्छता पखवाड़ा- 2024 मनाया जा रहा है। बुधवार को महात्मा गाँधी जयन्ती एवं स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल के मण्डल रेल प्रबन्धक आदित्य कुमार की अध्यक्षता में लखनऊ जंक्शन रेलवे स्टेशन के कानकोर्स एरिया पर प्रातः 09.00 बजे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। डीआरएम व एडीआरएम (परिचालन) विक्रम कुमार, अपर मण्डल रेल प्रबन्धक (इंफ्रा) राजीव कुमार, मुख्य परियोजना प्रबन्धक/गतिशक्ति राघवेन्द्र कुमार तथा शाखाधिकारियों ने महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबन्धक ने रेल अधिकारियों, कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति सजग रहने एवं उसके लिये प्रत्येक वर्ष 100 घंटे यानि हर सप्ताह दो घंटे श्रमदान कर स्वच्छता का संकल्प दिलाया।

आईआईटी धनबाद में एडमिशन पाने वाले दलित छात्र अतुल कुमार की मदद करेगी योगी सरकार

उत्तर प्रदेश सरकार ने छात्र की पूरी फीस को स्कॉलरशिप के रूप में देने की घोषणा की

» उत्तर प्रदेश सरकार आईआईटी धनबाद से भी बात कर एडमिशन दिलाने में करेगी मदद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के रहने वाले दलित छात्र अतुल कुमार को आईआईटी धनबाद में प्रवेश दिलाने के लिए अब योगी सरकार मदद के लिए आगे आई है। प्रदेश की छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत, समाज कल्याण विभाग आईआईटी में लगने वाली पूरी फीस को स्कॉलरशिप के माध्यम से वहन करेगा, जिससे अतुल की शिक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मुजफ्फरनगर जिले के खतौली तहसील के टिटोडा गांव के निवासी राजेंद्र कुमार, जो एक दिहाड़ी मजदूर हैं, के बेटे अतुल कुमार का आईआईटी धनबाद में प्रवेश फीस जमा न हो पाने के कारण रुक गया था। अतुल ने आईआईटी जेईई परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग शाखा में सीट पाई थी, लेकिन 24 जून तक फीस जमा न कर पाने के कारण उसका एडमिशन अटक गया।

परिवार ने सभी प्रयास करने के बाद सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप और मामले के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संज्ञान में आने के बाद सरकार ने छात्र की पूरी मदद करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने तुरंत निर्देश देते हुए अतुल के लिए हरसंभव सहायता सुनिश्चित करने को कहा। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने छात्र के परिजनों से फोन पर बात की और उन्हें आश्वासन दिया कि राज्य सरकार छात्र की पूरी पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। साथ ही, योगी सरकार ने आईआईटी धनबाद से भी संपर्क कर एडमिशन प्रक्रिया को पूरा करने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार की इस पहल के अंतर्गत, न केवल छात्र अतुल की शुरुआती फीस जमा की जाएगी, बल्कि चार साल की पूरी पढ़ाई के दौरान लगने वाली फीस भी स्कॉलरशिप के माध्यम से दी जाएगी।

इस फैसले से प्रदेश सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्गों के छात्रों को उनकी प्रतिभा के अनुसार उच्च शिक्षा प्राप्त करने में कोई अड़चन नहीं आने दी जाएगी।

गांधी जयंती पर स्वच्छता सेल्फी बना लोकप्रिय अभियान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 155वीं जयंती पर 02 अक्टूबर 2024 के दिवस को उत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल के सभी छोटे बड़े स्टेशनों पर राष्ट्रपिता को कृतज्ञ नमन करते हुए मण्डल द्वारा स्मरण किया गया। सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि इस अवसर का मुख्य आयोजन लखनऊ रेलवे स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक एसएम शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। प्रारम्भ प्रभात फेरी के साथ हुआ जिसमे मण्डल रेल प्रबंधक, अन्य अधिकारीगण, रेल कर्मचारी, खिलाडी तथा स्कूल के बच्चे सम्मिलित हुए ' प्रभात फेरी का आयोजन चारबाग स्थित उत्तर रेलवे स्टेडियम से गाँधी उद्यान तक किया गया। इसके बाद मुख्य कार्यक्रम का प्रारंभ मंडल रेल प्रबंधक द्वारा गाँधी उद्यान मे पहुँच कर वहाँ पर स्थित गाँधी प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया तथा उन्होंने यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई ' रेलवे सफाई मित्रों द्वारा एक वेस्ट टू आर्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें रेलवे परिसर से इकट्ठा किए गए अनुपयोगी वस्तुओं का उपयोग करके सुंदर और रचनात्मक कलाकृतियाँ तैयार की गईं। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना था, बल्कि यह भी दिखाना था कि कचरे को पुनः उपयोग करके कला के अनूठे रूपों में परिवर्तित किया जा सकता है। अगले क्रम में स्वच्छता पर आधारित नुक्कड़ नाटक एवं कार्टून कैरेक्टर के माध्यम से रेल यात्रियों एवं आमजनमानस के मध्य स्वच्छता के सन्देश को रोचकता से प्रस्तुत किया गया। इसके उपरांत चारबाग स्थित गाँधी उद्यान में अपर मंडल रेल प्रबंधक नीलिमा सिंह के नेतृत्व में श्रमदान किया गया।

गड्ढे न भरे जाने पर पीडब्ल्यूडी के दो एई सस्पेंड, सड़कों को ठीक तरीके से दुरुस्त न करा पाने का था आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में सड़कों के गड्ढे न भरने पर सरकार ने कार्रवाई शुरू कर दी है। शासन ने सड़कों का काम ठीक न पाए जाने पर मैनपुरी के दो सहायक अभियंताओं (एई) विनोद कुमार और शिवओम को निलंबित कर दिया है। ये दोनों एई वहां के निर्माण खंड-3 में कार्यरत हैं।

गौरतलब है कि इटावा-मैनपुरी राज्य मार्ग, सिरसागंज-किशनी-विधुना राज्य मार्ग, करहल-कुरावली मार्ग और किशनी-जसराना और कीरतपुर-उखांड मार्ग में कई स्थानों पर गड्ढे होने, काम की गुणवत्ता संतोषजनक न होने और समय से काम पूरा न होने के चलते सरकार ने इन पर कार्रवाई की गई है। वहीं बलिया में स्वीकृत लंबाई से कम काम होने पर भी ठेकेदार को भुगतान किए जाने पर एई बाबर अली और अवर अभियंता (जेई) राहुल सिंह को निलंबित कर दिया गया है।

अभियंताओं के निलंबन पर जताया आक्रोश, जांच की उठाई मांग

यूपी पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन ने खंड और सर्कल में दो से तीन महीने काम करने के बाद ही अभियंताओं के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई करने पर नाराजगी जताई है। बुधवार को फील्ड हॉस्टल में हुई एसोसिएशन की प्रांतीय कार्य समिति की बैठक में संगठन पदाधिकारी ने कहा कि तीन महीने डिवीजन को समझने में लगता है। इतने में प्रबंधन निलंबन की कार्रवाई करके अभियंताओं को हतोत्साहित कर रहा है। उन्होंने मांग की कि सरकार ऊर्जा विभाग में भय के माहौल को खत्म कराए।

संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि निलंबन का औचित्य ना होते हुए भी अभियंताओं का निलंबन किया जा रहा है। इससे पूरे पावर कॉर्पोरेशन व बिजली निगम में अभियंताओं में काफी निराशा है। छोटे-छोटे मामलों में निलंबन की कार्रवाई से ऐसा लग रहा है कि जैसे बिजली कंपनियों में भय का माहौल स्थापित किया जा रहा है।

अभियंताओं ने सवाल उठाया कि भय का माहौल स्थापित करने से न तो राजस्व बढ़ेगा और न ही लाइन हानियों में कमी होगी। इससे उपभोक्ता सेवा में भी सुधार नहीं होगा। संगठन ने अचानक की जा रही निलंबन की कार्रवाई पर उच्च स्तरीय जांच की मांग की। क्योंकि कई ऐसे अभियंताओं को निलंबित नहीं किया गया, जिनकी प्रगति काफी खराब है।

कांग्रेस नेतृत्व बार-बार कर रहा राम मंदिर का अपमान

लोकसभा चुनावों में लगातार तीसरी बार विफल होने के बाद, जून 2024 से राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी दोनों ही अवसाद ग्रस्त हैं और यही कारण है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में उनके समस्त सहयोगी हिंदू, हिंदुत्व और सनातन संस्कृति के साथ ही भारत और भारत के विकास को भी निरंतर अपमानित कर रहे हैं। इधर हुई कई घटनाएं व प्रसंग स्पष्ट करते हैं कि कांग्रेस पार्टी ने अब पूरी तरह से मुस्लिम फर्स्ट की नीति अपना ली है।

एक्सीडेंटल हिंदू गांधी परिवार ने सर्वप्रथम तो पांच सौ वर्षों के अथक संघर्ष से अयोध्या में बने श्री रामजन्मभूमि मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का अपनी सुविचारित मुस्लिम मतदाता तुष्टिकरण नीति के अंतर्गत बहिष्कार किया। अब सदन से सड़क तक राहुल गांधी उस भव्य समारोह का उपहास करते घूम रहे हैं, उसे गाने नाचने की नौटंकी बता रहे हैं। विगत दिनों कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश में अवैध मस्जिदों व मजारों तथा वहां आ रहे अवैध नागरिकों की पहचान कर उन्हें बाहर का रास्ता दिखाकर अपनी सभ्यता, संस्कृति, पहचान व अस्तित्व को बचाने के लिए हिमाचल की जनता आक्रोशित होकर सड़को पर उतर आई। इस प्रकरण में कांग्रेस ने जो रवैया अपनाया वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

झारखंड में डेमोग्राफी बदलने से लेकर से लेकर मुम्बई की अवैध मस्जिद ढहाने तक कांग्रेस ने मुस्लिम फर्स्ट की नीति का ही परिचय दिया है। पांच सौ वर्षों से अधिक समय तक चले अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि संघर्ष का सुफल सनातन समाज को 22 जनवरी 2024 को प्राप्त हुआ था, कांग्रेस आज भी उसके विरुद्ध खड़ी है। हिमाचल प्रदेश में सनातनी अपने अस्तित्व को लेकर सड़कों पर हैं किंतु मुस्लिम फर्स्ट की नीति के कारण कांग्रेस को कहीं कुछ समझ में नही आ रहा है। भोजन और अन्य खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए जब यूपी की योगी सरकार ने दुकानों पर नेमप्लेट लगवाने का आदेश जारी किया तो कांग्रेस अपने सहयोगी दलों के साथ विरोध में उतर आई और निर्णय को मुस्लिम विरोधी बताने लगी। जब स्थानीय नागरिकों के दबाव में हिमाचल सरकार ने भी उसी प्रकार का निर्णय लिया तो कांग्रेस आलाकमान की मुस्लिम फर्स्ट की नीतियों के कारण उनकी अपनी ही सरकार को अपना निर्णय वापस लेना पड़ गया और सफाई देनी पड़ी। आज देश के किसी भी कोने से हिंदू हित की आवाज उठते ही उसे दबाने व उसका मजाक बनाने के लिए कांग्रेस और उसका का ईकोसिस्टम जीवंत हो उठता है।

अमेरिका में भारत विरोधी बयानबाजी करके वापस लौटे राहुल गांधी ने अयोध्या पर एक बार फिर आपत्तिजनक बयान देकर अपने शर्मनाक विचारों को ही परोसा है। राहुल गांधी वाली कांग्रेस ने अब यह मान लिया है कि उसको अब हिंदू समाज का वोट तो मिलने वाला नहीं है इसलिए अब वह हर काम करो जिससे मुस्लिम मतदाता प्रसन्न हो फिर चाहे वो काम देश विरुद्ध ही क्यों न हो।

राहुल गांधी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कहा कि, "जब अयोध्या में राम मंदिर खोला तो वहां पर नाच-गाना चल रहा था, प्रेसवाले हाय-हाय कर रहे थे, पूरा हिन्दुस्तान डांस कर रहा है।" राहुल गांधी या कांग्रेस के नेता क्या किसी और धर्म के पैगम्बर व धार्मिक उत्सव पर इस प्रकार बयानबाजी करने का साहस दिखा सकते हैं। वास्तव में राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से हिन्दुओं के प्रति नफरत से भरे हुए हैं और उनकी मोहब्बत की दुकान केवल मुस्लिम समाज के लिए ही खुली है। राहुल गांधी राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर बार बार घिसा हुआ रिकॉर्ड बजा रहे हैं कि वहां पर उस समय कोई पिछड़ा नहीं था गरीब नहीं था श्रमिक नहीं था आदिवासी नहीं था अम्बानी अडानी थे, ऐश्वर्या नाच रही थी, राष्ट्रपति को आदिवासी होने के कारन बुलाया नहीं गया आदि-आदि। जबकि वास्तविकता यह है कि आज अब तक 11 करोड़ से अधिक श्रद्धालु राम भक्त अयोध्या में राम मंदिर का दर्शन कर चुके हैं जिसमें हर जाति वर्ग समाज के लोग आ रहे हैं।

राहुल गांधी को यह पता ही नहीं है कि केवल राम मंदिर ही नहीं वरन काशी विश्वनाथ कारिडोर सहित जहां कहीं भी नव निर्माण कार्य संपन्न हो रहा है उसका उद्घाटन बिना श्रमिकों की उपस्थिति के नहीं किया जाता। श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह व काकाशी विश्वनाथ कारिडोर दोनों के उद्घाटनसमारोह से पूर्व स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रमिकों का सम्मान किया है। अयोध्या में श्रमिकों पर पुष्पवर्षा भी की गयी थी। राम मंदिर पर राहुल गांधी की ताजा टिप्पणी से समस्त हिंदू समाज अपमानित व आंदोलित है। राहुल गांधी को यह बात साबित करनी ही होगी कि वहां पर कहां और किस प्रकार का नाच गाना हो रहा था। यदि भाजपा फैजाबाद सीट (अयोध्या जिसकी एक विधानसभा है) हार गई तो इसका मतलब यह कैसे हो गया कि हिंदू समाज राम मंदिर का आंदोलन हार गया। हिंदू समाज राम मंदिर के लिए तब भी संघर्ष कर रहा था जब अयोध्या स्थित राम मंदिर की मुगल हमलावरों ने एक-एक ईंट निकालकर उसका अस्तित्व समाप्त करने का प्रयास किया था।

गांधी को भूलने से बार-बार इंकार करता हुआ भारत

डॉ. दीपक पाचपोर

स्वतंत्रता किस तरह से हासिल करनी है और आजाद भारत किस दिशा में बढ़ेगा- इसका ब्लू प्रिंट बापू के पास 'हिंद स्वराज्य' के रूप में बना-बुनाया था। इसलिये आजादी के आंदोलन का नेतृत्व करने के लिये जनता ने महात्मा गांधी और कांग्रेस की वैचारिकी को चुना था।

एक पुष्ट संसदीय लोकतंत्र हो या संविधान अथवा फिर आरक्षण- यह सारा कुछ भारत को गांधीजी के मरने के बाद ही मिला। तो भी इनमें गांधी के प्राण बसते हैं और उनकी आत्मा का निवास है। दक्षिण अफ्रीका से शुरू हुआ रंगभेद के खिलाफ उनका आंदोलन एक तरह से लोकतंत्र की ही लड़ाई थी, समानता का संदेश था और एक ऐसी व्यवस्था की ज़रूरत को प्रतिपादित करता था।

जिस प्रकार से लोकतंत्र, संविधान, आरक्षण जैसे मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी भारत को हमेशा भ्रमित रखना चाहती है, उसी तरह वह गांधी को लेकर नये भारत को असमंजस में डालने की कोशिश करती है। इस भ्रम को फैलाने के अभियान की अगुवाई स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। यह अलग बात है कि इस प्रक्रिया में वे खुद ही सर्वाधिक असमंजस में हैं। चूंकि गांधी के व्यक्तित्व के बरक्स मोदी पासंग भी नहीं हैं तथा बापू का नैसर्गिक आभामंडल मोदी की कृत्रिम चकाचौंध को फीका करता है, मोदी चाहते हैं कि भारत गांधीजी को भूल जाये। उनका दुर्भाग्य कि पिछले 10-11 वर्षों की उनकी अथक मेहनत के बावजूद भारत गांधी को भूलने से बार-बार इंकार करता रहा है।

जिस विचारधारा के मोदी प्रतिनिधि हैं वह गांधी के खिलाफ़ तभी से विद्यमान है जब वे दक्षिण अफ्रीका से लौटे थे- कुछ और पहले से। उनके भारत आगमन के कुछ आगे-पीछे एक ऐसी विचारधारा पनप रही थी जो आजादी के बाद भारत को एक आधुनिक देश बनाने की बजाय मध्ययुगीन समाज की ओर लौटाना चाहती थी। महात्मा गांधी और उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। स्वतंत्रता किस तरह से हासिल करनी है और आजाद भारत किस दिशा में बढ़ेगा- इसका ब्लू प्रिंट बापू के पास 'हिंद स्वराज्य' के रूप में बना-बुनाया था। इसलिये आजादी के आंदोलन का नेतृत्व करने के लिये जनता ने महात्मा गांधी और कांग्रेस की वैचारिकी को चुना था। लोग देख रहे थे कि जो विचारधारा गांधी विरोधियों की है वह समावेशी नहीं है और उसका असली उद्देश्य अंग्रेजों के जाने के बाद देश की सामाजिक व्यवस्था को कुछ लोगों के हाथों में सौंप देना था जो एक सामंती व्यवस्था के जरिये ही सम्भव था। इसलिये उसे बचाने के लिये अंग्रेजों के खिलाफ इस विचारधारा की लड़ाई कालांतर में फिरंगियों के अप्रत्यक्ष समर्थन में बदल गई। लोगों ने कोई गलती नहीं की और स्वतंत्र भारत की सत्ता सौंपी उसी संगठन को जिसने स्वतंत्रता की लड़ाई का नेतृत्व किया था।

2014 में भारतीय जनता पार्टी को सत्ता मिली, तो उसने आजादी के बाद देश का जो पुनर्निर्माण हुआ, उससे कुछ सीखने की बजाय छह दशकों की संचित अपनी खीज और कुंठा को निकालना शुरू किया। मोदी ने लोगों को बताया कि 'इतने समय तक देश ने कुछ हासिल नहीं किया।' दरअसल मोदी उस पीढ़ी का नेतृत्व कर रहे हैं जो मानता है कि 'भारत को असली आजादी 2014 के बाद मिली है'; या, 'देश स्वतंत्र नहीं हुआ है बल्कि अंग्रेज उसे 99 वर्षों की लीज़ पर दे गये हैं'। मोदी इसी नये भारत के नेता हैं, जिनके अनुसार '2014 के पहले आदमी भारत में जन्म लेने पर पछताता था।' गांधी जहां समानता और धर्मनिरपेक्षता के पैरोकार थे, वहीं ये शक्तियां वर्ण व्यवस्था पर आधारित समाज बनाने की इच्छुक हैं। इन प्रतिगामी ताकतों की विकसित भारत की अवधारणा ऐसी है जहां कुछ लोगों को तो जन्मजात विशेषाधिकार हों, शेष पांच किलो राशन पर गुजारा करें। अमीरों की थालियों से रिसते हुए भोजन से बाकी पेट भरें- यही इस वर्ग का अर्थशास्त्र है।

ऐसे अनेक कारण हैं जिनके चलते इनकी गांधी से कभी न बनी। बनती अब भी नहीं, लेकिन देश और दुनिया में गांधी जो अर्जित कर गये हैं उससे किसी में इतनी हिम्मत और नैतिक बल नहीं है कि वे गांधी की सार्वजनिक आलोचना कर सकें। सीमित सदस्यों वाली बैठकों, गोदी मीडिया के कार्यक्रमों, ड्राइंग रूम के चुटकुलों, वाट्सएप विश्वविद्यालय के सिलेबस आदि में वे चाहे जितना गांधी को गरियाएं- अपने ऐसे किसी भी बयान को रिकॉर्ड पर लाने का साहस न मोदी में है, न उनके सिपहसालारों में है, न उनकी पार्टी में। चाहे गांधी का हत्यारा उनका अपना रहा हो, उसकी यह पूरी बिरादरी मन ही मन तारीफ़ करती हो परन्तु जहां देश के भीतर अपनी छवि को साफ-सुथरा दिखाना हो, उन्हें गांधी के समक्ष सिर नवाना ही पड़ता है; और विदेश में खुद को गांधी के देश से आया हुआ बतलाना ज़रूरी हो जाता है। दूसरी ओर मोदी के लिये यह भी ज़रूरी है कि उनके प्रिय काडर में से कोई गांधी की तस्वीर पर गोलियां चलाए तो उन्हें कहना पड़ता है कि 'उसे वे दिल से कभी माफ़ नहीं करेंगे।'

गांधी जी को लेकर मोदी और उनकी सरकार की दुविधा ऐसी सघन है कि एक ओर तो वे कहते हैं कि 'दुनिया के बच्चे-बच्चे की जुबान पर गांधी का नाम होना चाहिये', दूसरी ओर संसद भवन के मुख्य द्वार पर बनी गांधी की मूर्ति उन्हें कोने में रखवानी पड़ती है। वे जानते हैं कि मूर्ति निष्प्राण ही सही, लेकिन है तो प्रेरणादायिनी। बापू की विचारधारा भारत के कोटि-कोटि लोगों के मन में अंतःसलिला बनकर प्रवाहित होती है जो सम्पूर्ण भारत के नैतिक मूल्यों को जीवन्त बनाये रखती है। गांधी अपने पीछे प्रतिरोध का जो साहस छोड़ गये हैं वह उनकी मृत्यु के लगभग चौथाई सदी के बाद भी मोदी जैसे शासकों तथा उनके जैसों को डराने के लिये काफी होता है। तभी तो सारे साल गांधी के खिलाफ विषवमन कर नयी पीढ़ी के मन में उनके प्रति घृणा फैलाने की लाख कोशिशों के बावजूद हर साल कम से कम 2 अक्टूबर और 30 जनवरी को उनके सामने झुकना ही पड़ता है। उनके लिये ये दुखदायी प्रसंग तब भी आते हैं, जब विदेश यात्रा के शौकीन मोदी को मेजबान किसी शहर में बनी गांधी प्रतिमा के समक्ष खड़ा कर देते हैं।

यह भी मोदी के लिये तकलीफ़देह होता है जब वे यह कहकर गांधी का कद छांटने का प्रयास करते हैं कि 'रिचर्ड एटनबरो द्वारा उन पर फिल्म बनाने से पहले गांधी को दुनिया बहुत नहीं जानती थी', परन्तु लोग उनकी अज्ञानता पर हंसते हैं, आलोचना करते हैं। ऐसा नहीं कि मोदी गांधी की महानता से अपरिचित हों। सच कहा जाये तो उनका यही प्रयास होता है कि लोग गांधी को भूल जायें। उल्टे, गांधीजी के इतने प्रसंग सामने आ जाते हैं कि मोदी पहले से और भी बौने हो जाते हैं। देश उस महामानव को भूलने की बजाय और शिद्दत से याद कर उठता है। अपने 11 वर्षों के कार्यकाल में मोदी ने अनेक प्रयास किये कि देश गांधी को भूल जाये और केवल उन्हें याद रखे। कभी उनके आईटी सेल ने कहानी गढ़ी कि गांधी चाहते तो भगत सिंह को बचा सकते थे; या फिर उन्हीं के कारण पाकिस्तान बना... आदि।

देश को गांधी से विमुख करने की बहुतेरी कोशिश मोदी के नेतृत्व में इन ताकतों ने की लेकिन गांधी का नाम भारत के सीने पर इतने गाढ़े अक्षरों में गोदा हुआ है कि वह मिटाये नहीं मिटता। एक पुष्ट संसदीय लोकतंत्र हो या संविधान अथवा फिर आरक्षण- यह सारा कुछ भारत को गांधीजी के मरने के बाद ही मिला। तो भी इनमें गांधी के प्राण बसते हैं और उनकी आत्मा का निवास है। दक्षिण अफ्रीका से शुरू हुआ रंगभेद के खिलाफ उनका आंदोलन एक तरह से लोकतंत्र की ही लड़ाई थी, समानता का संदेश था और एक ऐसी व्यवस्था की ज़रूरत को प्रतिपादित करता था जिसे कोई संविधान ही संजोकर, संरक्षित और सुनिश्चित कर सकता है। सत्य व अहिंसा पर आधारित इस देश का औपनिवेशिक दासता के खिलाफ महान संघर्ष गांधी को भारत ही नहीं विश्व का महानतम नेता बनाता है। मोदी के भुलाये भारत गांधी को कभी नहीं भूलेगा।

अजब-गजब

अमेरिका छोड़ इंडिया में बस गई ये महिला, तीन बातों में समझाया क्यों भा गया भारत

जब कभी दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश की बात होती है तो जहन में केवल चीन और भारत का ही नाम आता है। वैसे अगर दुनिया में किसी से पूछा जाए कि आप इन दोनों देशों में कहां बसना चाहेंगे तो ज्यादातर लोगों का जवाब भारत ही होगा। 140 करोड़ की आबादी वाला विकासशील देश भारत दुनिया का इकलौता ऐसा देश है, जहां हर धर्म का इंसान शांतिपूर्वक रहता है। कुदरत ने भी इस देश को वो सबकुछ दिया है, जिसका हर कोई सपना देखता है। यही कारण है कि हर साल यहां लाखों-करोड़ों विदेशी पर्यटक आते हैं और भारत का दर्शन करते हैं और यही के होकर रह जाते हैं।

ऐसी ही एक कहानी इन दिनों अमेरिका से आई एक महिला की चर्चा में है। जो अपने देश से भारत यूं तो घूमने आई थी लेकिन यहां उसे ऐसी तीन चीजें दिखी, जिसे देखकर वो यही की होकर रह गईं। क्रिस्टन फिशर नाम की एक महिला के बारे में, जिसका वीडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहा है। इस विदेशी महिला ने अपने इस वीडियो में अमेरिका छोड़ भारत में बसने की वजह भी बताई है। जिसे जाने के बाद आपको भी अपने देश पर गर्व होगा।

महिला ने बताया कि जहां अमेरिका में लोग जी रहे हैं, वहां लोगों में सोशल कनेक्टिविटी नाम की कोई चीज नहीं है, कम्युनिटी है तो सही लेकिन रील लाइफ में रियल लाइफ में इसका अभाव है। जबकि भारत में सब लोग एक दूसरे से कनेक्टेड हैं। यहां कल्चर और लाइफ काफी शानदार है, जो पैसों से ज्यादा कीमती है। अपने वीडियो में महिला ने कहा कि उसने कम समय में ऐसी लाइफ जी ली है कि जो उसने अमेरिका में अभी तक नहीं जी थी और तीसरा सबसे आखिर भारत जैसा तो कोई देश ही नहीं है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद लोग ना सिर्फ इसे देख रहे हैं बल्कि जमकर एकदूसरे के साथ शेयर कर रहे हैं। भारत प्रेम में डूबी इस विदेशी महिला के पोस्ट पर यूजर्स कमेंट्स कर रहे हैं। एक विदेशी शख्स ने लिखा कि भारत आने के बाद ऐसा फील नहीं होता कि आप किसी दूसरे देश में आए हैं। वहीं दूसरे ने लिखा, ' आपको कभी अकेला फील नहीं होगा।' बता दें कि क्रिस्टन साल 2017 से नई दिल्ली में रह रही हैं।

संपादक की कलम से

प्लास्टिक महामारी को समाप्त करने के लिए प्लास्टिक सड़क क्रांति

प्रभात पांडेय

प्लास्टिक कचरे से सड़क बनाने में सरकार लगातार प्रयास कर रही है। मंगलवार को पेयजल और स्वच्छता विभाग के सचिव विनी महाजन ने मीडिया को बताया कि अब तक 40,000 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण प्लास्टिक कचरे से किया गया है। जिसमें से 13,000 किलोमीटर का निर्माण पिछले दो सालों में पूरा हुआ है। महाजन ने बताया कि स्वच्छता अभियान के तहत 55 प्रतिशत से अधिक गांवों को 'ओडीएफ प्लस मॉडल' घोषित किया गया है। साथ ही, 5 लाख से अधिक कचरा संग्रहण वाहन काम कर रहे हैं, और ग्रे-वॉटर तथा प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। यदि प्लास्टिक कचरे का उपयोग आवश्यक बुनियादी ढांचे को बनाने में किया जा सकता हो तो इससे पृथ्वी को साफ रखने में योगदान मिलेगा। प्लास्टिक कचरे के साथ बनी सड़क को केवल तारकोल वाली सड़क के मुकाबले अधिक टिकाऊ और मजबूत माना गया है।

प्लास्टिक धीरे-धीरे सभी मानव आवश्यकताओं का एक अभिन्न अंग बन गया है। प्लास्टिक कैरी बैग, पैकेजिंग सामग्री, बोतलें, कप, और विभिन्न अन्य वस्तुओं ने धीरे-धीरे प्लास्टिक के फायदों के कारण अन्य सामग्रियों से बनी हर चीज को बदल दिया है। प्लास्टिक टिकाऊ, उत्पादन में आसान, हल्का, अटूट, गंधहीन और रासायनिक प्रतिरोधी होता है।

प्लास्टिक को केवल 3-4 बार ही रिसाइकिल किया जा सकता है और रिसाइकिल करने के लिए प्लास्टिक को पिघलाने से अत्यधिक जहरीले धुएं निकलते हैं। नवंबर 2015 में सरकार के एक आदेश ने देश के सभी रोड डेवलपर्स के लिए सड़क निर्माण के लिए बिटुमिनस मिक्स के साथ बेकार प्लास्टिक का उपयोग करना अनिवार्य कर दिया था। ऐसा भारत में प्लास्टिक कचरे के निपटान की बढ़ती समस्या को दूर करने के लिए किया गया।

पूरे दक्षिण एशिया के तेजी से वृद्धि कर रहे कई विकासशील देशों में, विकास एजेंडा के लिए महत्वपूर्ण, ठोस पक्की सड़कों का अब भी अभाव है। सड़कें आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों के साथ ही साथ व्यापार, उत्पादकों को उपभोक्ताओं से, लोगों को नौकरी से, बच्चों को स्कूल से और रोगियों को अस्पतालों से जोड़ने में केंद्रीय स्थान रखती हैं, और इस तरह आर्थिक गतिविधियां बढ़ाती हैं और गरीबी घटाती हैं। यदि आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण में प्लास्टिक कचरे का इस्तेमाल किया जा सकता है, तो हम नागरिकों को परिवहन उपलब्ध करा सकते हैं और अपने ग्रह को स्वच्छ रखने में योगदान दे सकते हैं।

सड़क निर्माण में कचरे में निकलने वाले प्लास्टिक का उपयोग करने से सड़क मजबूत होने के साथ इसकी लाइफ भी अधिक बढ़ जाएगी। प्लास्टिक कचरे से बनी सड़क पानी कम सोखेगी। इस तकनीक का सबसे पहले उपयोग इटली व जर्मनी ने किया। भारत में इसकी शुरुआत वर्ष 2013 में केरल, हैदराबाद जैसे क्षेत्रों में की गई। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में भी इसकी शुरुआत की गई थी।

भारत सरकार सर्वे के अनुसार निगम क्षेत्र से हर दिन 926 मिट्रिक टन कचरा हर दिन निकलता है। इसमें 600 मिट्रिक टन कचरा बैरिया स्थित डंपिंग यार्ड ले जाया जाता है। मानक के अनुसार 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाला शहर प्रति व्यक्ति हर दिन 250 ग्राम से 300 ग्राम कचरा निकालते हैं। साल 2040 तक पूरी दुनिया के पर्यावरण में 1।3 अरब टन प्लास्टिक जमा हो जाएगा। खुद भारत ही हर साल 33 लाख टन से अधिक प्लास्टिक पैदा करता है। कचरे में काफी मात्रा में प्लास्टिक और पॉलिथीन पाया जाता है। कचरे से प्लास्टिक पदार्थ को अलग निकाला जाएगा और उससे प्रोसेसिंग कर सड़क बनाने में उपयोग किया जाएगा।

इतना ज़्यादा प्लास्टिक का पैदा होना ही वासुदेवन के इस प्रयोग की प्रेरणा बन गया। इसी ने उन्हें सड़क बनाने में प्लास्टिक के इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया। दरअसल सड़क बनाने में प्लास्टिक का इस्तेमाल की प्रक्रिया बेहद सरल है। इसके लिए ज़्यादा तकनीकी तामझाम की ज़रूरत नहीं पड़ती। इसमें प्लास्टिक कचरे के टुकड़े सड़क बनाने के लिए डाली गई गिट्टियों (पत्थर के टुकड़े) और रेत पर बिछा दी जाती हैं।

इसके बाद इसे 170 डिग्री सेंटिग्रेड का ताप दिया जाता है, इससे यह प्लास्टिक कचरा पूरी तरह पिघल जाता है। इस पिघले प्लास्टिक की कोटिंग सड़क पर हो जाती है। इसके ऊपर गर्म कोलतार बिछा दिया जाता है। फिर रेत, गिट्टियों और यह पिघला हुआ प्लास्टिक कचरा ठोस शक्ल अख़्तियार कर लेता है। इस तरह यह मिक्सचर मुकम्मल हो जाता है। सड़क बनाने के मिक्सचर में प्लास्टिक का इस्तेमाल इसके टूटने की गति धीमी कर देता है। साथ ही इसमें गड्ढे भी कम पड़ते हैं।

साल 2015 में भारत सरकार ने पांच लाख से ज़्यादा की आबादी वाले बड़े शहरों के नज़दीक बनाई जाने वाली सड़कों में प्लास्टिक कचरे का इस्तेमाल अनिवार्य बना दिया। वासुदेवन ने सड़क बनाने के इस तकनीक का अपना पेटेंट सरकार को मुफ़्त में दे दिया था। एक सिंगल लेन की एक किलोमीटर साधारण सड़क बनाने में दस टन कोलतार की ज़रूरत होती है।

भारत हर साल हजारों किलोमीटर सड़क बनाता है इसलिए प्लास्टिक कचरे का इस्तेमाल तेज़ी से बढ़ रहा है। अब तक प्लास्टिक-तार की 2,500 किलोमीटर सड़क बनाई जा चुकी है।

त्यागराजार कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग के केमिस्ट्री के प्रोफ़ेसर राजगोपालन वासुदेवन कहते हैं, 'प्लास्टिक-तार से बनी सड़कों में भारी वजन और हैवी ट्रैफिक सहने की क्षमता होती है। इस पर बारिश के पानी या जल-जमाव का कोई असर नहीं होता।'

दुनिया भर में अब प्लास्टिक कचरे से सड़कें बनाने की कई परियोजनाएं चल रही हैं। केमिकल फ़र्म डाउ पॉलिएथिलिन वाली री-साइकिल्ड प्लास्टिक का इस्तेमाल अमेरिका और एशिया प्रशांत क्षेत्र की अपनी परियोजनाओं में कर रही है।

नीदरलैंड में 2018 में दुनिया में पहली बार रीसाइकिल की हुई प्लास्टिक की सड़क बनी। इसे बनाने वाली कंपनी प्लास्टिकरोड ने स्थानीय स्तर पर जमा किए गए प्लास्टिक की पहले छंटाई की। फिर इसके टुकड़े काट कर और इसे साफ कर प्रोपिलिन निकाला गया। यह प्लास्टिक अमूमन फेस्टिवल मग, कॉस्मेटिक पैकेजिंग, बोतलों के ढक्कनों और प्लास्टिक स्ट्रॉ में मिलता है।

भारत में दुनिया के सबसे बड़े सड़क नेटवर्कों में से एक मौजूद है। इसमें हर साल 10 हजार किलोमीटर सड़क और जुड़ रही है। लिहाजा यहां सड़क बनाने में प्लास्टिक के इस्तेमाल की संभावनाएं भी काफी अच्छी है। हालांकि यह तकनीक भारत और पूरी दुनिया के लिए अभी थोड़ी नई ही है। लेकिन पूरा भरोसा है कि प्लास्टिक की सड़कों को लोकप्रियता मिलती रहेगी। इन सड़कों को लोग न सिर्फ पर्यावरण सुरक्षा के लिहाज से पसंद करेंगे बल्कि ये लंबे समय तक टिकने और ज़्यादा दबाव झेलने वाली सड़कों के तौर पर जानी जाएंगीं।

वाराणसी के मंदिरों से क्यों हटाई गईं साईं की मूर्तियां, मुस्लिम बनाम सनातन से जुड़ा क्या है विवाद?

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। अत्याधिमक नगरी वाराणसी के मंदिरों में स्थापित साईं बाबा की मूर्तियों का विरोध किया जा रहा है। हिंदू संगठन मंदिरों से साईं बाबा की मूर्तियों को हटा रहे हैं। हिंदू संगठनों का दावा है कि 14 मंदिरों से मूर्तियां हटा दी गईं हैं और अभी कई मंदिरों से साईं की प्रतिमा हटाना बाकी हैं। उनका कहना है कि साईं बाबा एक मुस्लिम संत थे और इनका नाम चांद बाबा है। सनातन धर्म में इनकी पूजा नहीं हो सकती।

वाराणसी में साईं बाबा की प्रतिमा को लेकर फिर से विवाद छिड़ गया है। केंद्रीय ब्राह्मण सभा नाम का संगठन मंदिरों से साईं की प्रतिमा हटा रहा है। सनातन रक्षक दल भी इस अभियान से जुड़ गया है। रविवार देर रात से ये मुहीम शुरू की गई है। इसकी शुरुआत बड़ा गणेश मंदिर से हुई। यहां से साईं बाबा की प्रतिमा ये कहकर हटाई गई कि ये चांद बाबा हैं और ये तय हुआ है कि इनकी पूजा सनातन में नही हो सकती।

बड़ा गणेश मंदिर से हुई शुरुआत

सनातन रक्षक दल का कहना है कि 14 मंदिरों से साईं की प्रतिमा हटा दी गई है और अभी कई और मंदिर बाकी हैं, जहां से साईं की प्रतिमा हटानी है। बड़ा गणेश मंदिर के पुजारी का भी कहना है कि साईं की प्रतिमा 2013 में यहां स्थापित की गई थी और अगर ये शास्त्र सम्मत नही है तो हटा देने में कोई समस्या नही है। अभियान से जुड़े संगठनों का कहना है कि यदि किसी की आस्था साईं बाबा में है तो हमें उसपर कोई आपत्ति नही है। वो साईं का मंदिर बनाए वहां पूजा करें लेकिन बाकी देवताओं के मंदिर में उनको नही रहने देंगे।

14 से हटाई मूर्तियां, 28 मंदिर निशाने पर

वाराणसी में 14 मंदिरों से हिंदू संगठनों ने साईं प्रतिमा हटाने का दावा किया है। उनका कहना है कि शहर 28 मंदिर उनके निशाने पर हैं। उनका आरोप है कि साईं बाबा मुस्लिम हैं। उनका सनातन धर्म से कोई रिश्ता नहीं, इसलिए इनकी मूर्तियां हटाई जा रही हैं। संगठनों का कहना है कि साईं पूजा का विरोध नहीं है, लेकिन मंदिरों में मूर्ति नहीं लगने देंगे। समाजवादी पार्टी के नेता एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने इसे बीजेपी के इशारे पर हिन्दू संगठनों द्वारा किया जा रहा षड्यंत्र बताया है। आशुतोष सिन्हा का कहना है कि शिक्षा-दवाई और पढ़ाई जैसे मुद्दों से भटकाने के लिए ये सारा तमाशा किया जा रहा है।

10 साल पहले भी हुआ था विरोध

दस साल पहले 2014 में द्वारिका शारदा पीठ एवं ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वरूपा नंद सरस्वती ने राम नवमी के दिन साईं के खिलाफ राष्ट्र व्यापी अभियान शुरू किया था। स्वरूपानंद सरस्वती ने कहा था कि कहा जाता है कि पूजा अवतार या गुरु की जाती है। सनातन धर्म में भगवान विष्णु के 24 अवतार माने जाते हैं। कलयुग में बुद्ध और कल्कि के अलावा किसी अवतार की चर्चा नहीं है। इसलिए, साईं अवतार नहीं हो सकते। उन्होंने कहा था कि रही बात गुरु मानने की तो गुरु वह होता है जो सदाचार से भरा हो, लेकिन साईं मांसाहारी थे, मुस्लिम थे और लोगों के खतना करवाते थे ऐसे में वह हमारे आदर्श भी नहीं हो सकते।

शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्षा ने दिलाई छात्र छात्राओं को स्वच्छता की शपथ

आर्यावर्त संवाददाता

चंदौली। हिनौता जगदीशसराय स्थित हरि ओम सेवा आईटीआई कॉलेज में बुधवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्षा प्रोफेसर डॉ कीर्ति पाण्डेय ने बतौर मुख्य अतिथि ध्वजारोहण किया। इस दौरान मुख्य अतिथि ने अनुदेशकों छात्र छात्राओं को स्वच्छता की शपथ दिलाई। तत्पश्चात प्रोफेसर पांडेय ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष प्रोफेसर कीर्ति पाण्डेय ने कहा कि सत्य अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी व सादगी के प्रतीक पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री के आदर्शों पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कहा कि गांधी जी ने छुआछूत, जातिवाद और महिलाओं के प्रति भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई। बापू जी कहते थे कि किसी भी समाज का विकास तभी संभव है, जब उसमें हर किसी को समान अधिकार मिले।प्रोफेसर पांडेय ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री जी के सादगी भरे जीवन से छात्र छात्राओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। शास्त्री जी ने जय जवान जय किसान का नारा दिया। शास्त्री जी के सादगी, बलिदान एवं योगदानों से हमे प्रेरणा लेनी चाहिए।संस्थान के प्रधानाचार्य सत्येन्द्र कुमार मिश्र ने उ०प्र ० शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष प्रोफेसर कीर्ति पाण्डेय को पुष्पगच्छ देकर सम्मानित किया। अंत में प्रधानाचार्य ने आगत अतिथियों का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर वेदप्रकाश,आयुष कुशवाहा, रोहित मौर्य, अमन त्रिपाठी सहित छात्र छात्राएं मौजूद मौजूद रहे।

दुकान में घुसे, व्यापारी पर तानी पिस्टल और कागज पर कराया साइन... सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

आर्यावर्त संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। देवरिया जनपद में बदमाश सरेआम दिनदहाड़े व्यवसाई को रिवॉल्वर दिखाकर पेपर पर साइन करा रहे हैं। पूरी वारदात शहर के रुद्रपुर रोड के लक्ष्मी आयरन स्टोर की है। ये पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। यहां दिन के 11 बजे हार्डवेयर व्यवसाई अजीत गुप्ता की दुकान पर तीन बदमाश पहुंचे जिसके बाद ये वारदात हुई।

तीन में से दो बदमाशों के नाम सामने आ गए हैं जिसमें से अमित यादव और काशीनाथ यादव हैं जबकि एक अन्य अज्ञात बदमाश था। ये तीनें बदमाश दुकान पर पहुंचते हैं और व्यवसाई अजीत गुप्ता की कनपटी पर पिस्टल सटाकर पेपर पर साइन लेते हैं। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

व्यवसायी को धमकाते रहे बदमाश

लगभग आधे घंटे से ऊपर बदमाश व्यवसायी को धमकाते रहे। बार-बार पिस्टल निकालते रहे और अंत में दबाव बनाकर उस पेपर पर साइन करवा लिए। आपको बता दें व्यवसाई अजीत गुप्ता ने रिलायंस पेट्रोल पंप के लिए आवेदन किया था। टेंडर में दूसरे पक्ष का आवंटन स्वीकार हो गया था। इसी अनियमितता को लेकर मनोज गुप्ता ने जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री से शिकायत की थी की मानक के विपरित पेट्रोल पंप का काम हो रहा है।

पुलिस अधीक्षक ने लिया संज्ञान

इस शिकायत पत्र को वापस करने के लिए जो दूसरा पक्ष है वह लगातार अजीत गुप्ता पर दबाव बना रहा था। अजीत गुप्ता के नहीं मानने पर तीनों बदमाश दुकान पर पहुंचे और सरेआम कनपटी पर पिस्टल सटाकर शिकायत पत्र पर सिग्नेचर कराए। इस घटना के बाद से अजीत गुप्ता डरे हुए हैं उन्होंने पुलिस को सूचना दी है। इस संबंध में जब पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा से बात की गई तो उनका कहना था की मामले में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

विदेश जाकर 'साइबर गुलामी', कैसे भारतीय हो रहे शिकार, फिर अपनों से ही करते हैं ठगी?

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। साइबर फ्रॉड के शिकार अब बाहर काम की तलाश में जाने वाले भी हो रहे हैं। विदेशों में जो हिंदुस्तान से काम ढूंढने के लिए लोग जाते हैं, वो अब ठगी का शिकार हो रहे हैं। विदेश के कई देश ऐसे हैं, जहां ठगी करने वाला गिरोह हिंदुस्तानियों की तलाश में लगा रहता है। हिंदुस्तानी को हिंदी आती है और विदेश में रहने वालों को इतनी बेहतर हिंदी न आने की वजह से जो लोग हिंदुस्तान से काम की तलाश में विदेश जाते हैं, उनमें से कुछ लोग ठगों के चुंगल में फंस जाते हैं।

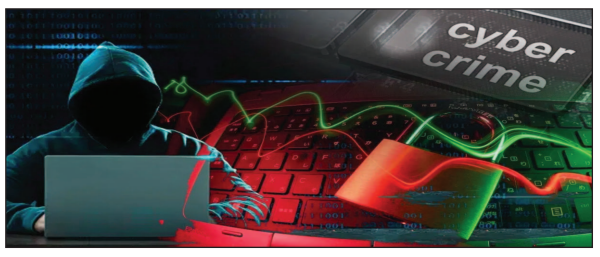

थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम दुनिया के ऐसे देश हैं, जो हिंदुस्तानियों की तलाश में लगे रहते हैं। दरअसल, हिंदुस्तान में साइबर ठगों का बड़ा गिरोह चल रहा है, जो साइबर अपराध को बढ़ावा दे रहा है। विदेशी साइबर ठग हिंदुस्तान को बड़ा ठगी का अड्डा मानते हैं, लेकिन हिंदी नहीं आने के कारण ये ठग हिंदुस्तानियों को ठगी का शिकार नहीं बना पाते। ऐसे में इन विदेशी ठगों को हिंदुस्तानियों की तलाश रहती है।

किसी को नौकरी में रख लिया जाता है तो किसी को जोर-जबरदस्ती कर बंधक बनाकर साइबर ठग बना दिया जाता है। इन लोगों का काम होता है कि विदेश में बैठकर हिंदुस्तान में फोन कर के अपने जाल किसी न किसी को फंसाना। जाल में फंसने के बाद इनको डिजिटल अरेस्ट करके ठगी की जाती है।

कई देश हैं इसमें शामिल

सीओ क्राइम एसपी सिंह ने बताया कि थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम जैसे कई देश हैं, जो वहीं पर बैठे हुए हिंदुस्तानियों से फ्रॉड कराते हैं। विदेश में रहने के कारण इन लोगों को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर पाती और धड़ल्ले से ये साइबर ठग फ्रॉड करते रहते हैं। हिंदुस्तानियों की तलाश के लिए ये हिंदुस्तान में अपना एजेंट भी रखते हैं, जो विदेश में नौकरी की तलाश में घूम रहे लोगों को अच्छी सैलरी का लालच देकर इन देशों में भेजते हैं।

सीओ क्राइम एसपी सिंह ने बताया कि वहां इन लोगों को बंधक भी बना लिया जाता है और जबरन इनसे हिंदुस्तान में फोन करवा कर ठगी करने के लिए कहा जाता है। बता दें कि ये लोग फोन कॉल करते हैं और डिजिटल अरेस्ट कर के लोगों को तरह-तरह से भय दिखाकर ठगने का काम करते हैं।

प्राइवेट बैंक से होता है ज्यादातर डाटा लीक

लोगों को पर्सनल इनफॉर्मेशन जैसे अकाउंट नंबर, क्रेडिट कार्ड नंबर, आधार कार्ड का नंबर, मोबाइल नंबर ज्यादातर प्राइवेट बैंक में आउटसोर्सिंग में काम करने वाले कर्मचारी लीक करते हैं। सीओ एसपी सिंह ने बताया कि इन लोगों को डाटा देने के पैसे दिए जाते हैं। लालच में ये लोग अकाउंट होल्डर की जानकारी लीक कर देते हैं।

एमएचए से आती है लिस्ट

सीओ क्राइम एसपी सिंह ने बताया कि ऐसे कई लोगों की लिस्ट वेरिफिकेशन के लिए मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स से आती है। उस लिस्ट में जिन लोगों के नाम होते हैं, उन्हें वेरीफाई करना होता है। कई लोग एजेंट के माध्यम से इन देशों में जातें हैं। उन एजेंट्स की भी तलाश की जाती है। उन्होंने बताया कि लोगों को जागरूक होने की जरूरत है और किसी भी संदिग्ध फोन कॉल का रिप्लाई न करें और इसकी जानकारी पुलिस को दें।

पति नाकाबिल, मैं ससुराल में नहीं रहूंगी... सुहागरात पर दुल्हन ने लगाया पापा को फोन, फिर उठाया ये कदम

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में सीबीगंज थाना क्षेत्र में एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है। जहां एक दुल्हन ने सुहागरात पर अपने पति को शारीरिक रूप से अक्षम बताकर बखेड़ा खड़ा कर दिया। इतना ही नहीं दुल्हन नाराज हो कर अपने मायके चली गई। इसके बाद उसने पूरी बात अपने मायके वालों को बताई।

मायके वालों ने शादी कराने वाले बिचौलिए को घर में बंधक बनाकर पीटना शुरू कर दिया। बिचौलिए के परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जैसे-तैसे उसे छुड़ाकर उसके परिजनों को सौंप दिया। ग्रामीणों के साथ समझौते के लिए पंचायत बैठी लेकिन वह भी बेनतीजा रही। उसके बाद पीड़ित बिचौलिए की तहरीर पर पुलिस ने दुल्हन पक्ष के चार लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

पूरा मामला बरेली के थाना सीबीगंज क्षेत्र के एक गांव का हैं जहां एक व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि उसने बरेली के बिथरी चैनपुर के निवासी बिचौलिए के कहने पर एक गांव में अपने बेटे का निकाह तय कराया था। 28 सितंबर को फतेहगंज पश्चिमी के एक बरातघर में निकाह हुआ था। निकाह के बाद दुल्हन बड़ी खुशी के साथ अपने ससुराल गई। अब दुल्हन का आरोप है कि सुहागरात पर उसे पता चला कि उसका पति शारीरिक रूप से अक्षम है। यह जानकर दुल्हन के पैरों तले जमीन खिसक गई।

दुल्हन ने ससुराल में ही बखेड़ा खड़ा कर दिया और उसी वक्त उसने अपने पिता को कॉल किया। बताया कि उसका पति अक्षम है। इतना ही नहीं उसने पति के साथ और ससुराल में रहने से भी मना कर दिया। इसके साथ अपनी जिंदगी नहीं बिताना चाहती। अगले ही दिन पिता बेटी की ससुराल पहुंचा और बेटी को अपने साथ बुला लाया। इसके बाद लड़की पक्ष ने निकाह कराने वाले बिचौलिया को अपने घर बुलाया।

बिचौलिए का आरोप हैं कि लड़की पक्ष के लोगों ने उसे घर में बंद करके पीटा है। उसने यह भी आरोप लगाए हैं कि उसके जेब में रखे रुपये, सोने की अंगूठी और मोबाइल भी उन लोगों ने छीन लिया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस पहुंची और बिचौलिए को छुड़ाया। मामले को लेकर दोनों पक्षों में पंचायत भी हुई। लेकिन, कोई नतीजा नहीं निकला। उसके बाद पीड़ित ने दुल्हन पक्ष के लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर पूरे मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। वही मामला अब सुर्खियों में बना हुआ है। पूरे मामले में सीबीगंज पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है और पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

सीतापुर राजा टोडरमल पार्क मे मनाई गई गांधी जयन्ती

सीतापुर। राजा टोडरमल स्मारक समिति राजस्व सुरक्षा सेवा दल के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जी की 2 अक्टूबर जयंती के अवसर पर टोडरमल पार्क निकट जन सूचना केंद्र कलेक्ट्रेट परिसर सीतापुर में सम्मान पूर्वक ध्वज फहराया गया । महापुरुषों की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की गई ,और टोडरमल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष संजय पुरी ने कहा कि भारत देश के ऐसे वीर महापुरुषों को शत-शत नमन करता हूँ, जिन्होंने देश को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी,अंग्रेजों से डटकर मुकाबला किया था,और भारत माता के लिए अपना सर नहीं झुकने दिया ,महात्मा गांधी जी ने सत्य और अहिंसा परमो धर्म का नारा दिया था, सत्य और अहिंसा की मार्ग पर चलने की बात कही थी ,भारत देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने जय जवान जय किसान का नारा बुलंद किया था।

पत्नी को सरप्राइज देने घर आया, तभी मामा को बाहों में देखा, पीट-पीटकर की हत्या

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

हरदोई. उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में एक खौफनाक वारदात का पुलिस ने खुलासा किया है। यहां पर पति ने पत्नी को दूसरे शख्स की बाहों में देखकर उसकी डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी और उसके बाद लाश को रात में ही ले जाकर नाव में रखकर उसे बीच गंगा में बहा दिया। घटना के बाद में आरोपी पति फरार चल रहा था। पति को पुलिस ने गिरफ्तार करने के बाद उससे कड़ी पूछताछ की जिससे इस पूरे मामले का खुलासा हुआ।

हरदोई जिले के बिलग्राम थाना क्षेत्र के पारसोला गांव का रहने वाला रायसिंह अपने परिवार की खुशी और भरण पोषण के लिए हरियाणा में रहकर मजदूरी करता था। उसकी पत्नी सोनी गांव में ही रहती थी। उसकी अक्सर पत्नी से फोन पर बातचीत हुआ करती थी। एक दिन उसने पत्नी को सरप्राइज देने के लिए सोचा और जब वह घर पहुंचा तो उसकी पत्नी उसके सगे मामा दुर्गेश की बाहों में थी। गुस्से से आग बबूला रायसिंह ने बताया कि उसी रात उसकी पत्नी से मामा के अवैध संबंधों को लेकर लड़ाई झगड़ा हुआ।

पहले की हत्या फिर नदी में बहाया शव

पत्नी की इस बेवफाई से नाराज राय सिंह ने गुस्से में पत्नी को जान से मारने का प्लान रच डाला। आरोपी पति ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि उसने पहले डंडे से पीट-पीटकर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया फिर स लाश को ठिकाने लगाने के लिए अंधेरे का फायदा उठाया और गंगा नदी के तट पर जा पहुंचा। आरोपी पति ने रात में ही पत्नी के शव को नाव में रखा और बीच गंगा में जाकर बहा दिया। हालांकि शव अभी तक बरामद नहीं हुआ है।

पुलिस पूछताछ में किया खुलासा

हरदोई के पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद कड़ी पूछताछ करते हुए हत्या की वजह पता कर ली है। आरोपी के मामा से ही पत्नी के अवैध संबंध थे जो उसकी हत्या की वजह बने। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल आला-ए-कत्ल डंडा भी बरामद किया है। फिलहाल आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार करने के बाद अदालत के सामने पेश किया जिसके बाद जेल भेजने की कार्यवाही की गई है।

गुणवत्तापरक निस्तारण के लिए अधिकारी शिकायतकर्ता का पक्ष अवश्य सुनें : जिलाधिकारी

आर्यावर्त संवाददाता

चंदौली। जिलाधिकारी निखिल टी.फुंडे की अध्यक्षता में आईजीआरएस निस्तारण से संबंधित बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।इस दौरान जिलाधिकारी ने शिकायत निस्तारण की धीमी प्रगति पर चिंता जाहिर करते हुए कड़ा रोष जाहिर किया।

जिलाधिकारी ने बैठक के दौरान कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यदि शासन की मंशा के अनुरूप समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण निस्तारण नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।निस्तारण के दौरान संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाने के कड़े निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि निस्तारण के दौरान अधिकारी मौके पर जाएं और शिकायतकर्ता से वार्ता अवश्य करें। शिकायतकर्ता से वार्ता के उल्लेख के बिना आख्या अपलोड नहीं की जानी चाहिए साथ ही आख्या पर वरिष्ठ अधिकारी के हस्ताक्षर होने चाहिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के संदर्भों के निस्तारण में उसकी आख्या जनप्रतिनिधियों को अवश्य उपलब्ध कराई जाए साथ ही सभी कार्यालयों में जनप्रतिनिधियों के संदर्भ से संबंधित एक रजिस्टर बनाया जाए और उस रजिस्टर को प्रत्येक दशा में अद्यतन रखा जाए।उन्होंने कहा कि प्रत्येक दशा में शिकायतों के गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।सभी अधिकारी अपने ऑफिस में अधिनस्थों के साथ बैठक कर उन्हें शासन की मंशानुरूप कार्यवाही करने हेतु निर्देशित करें साथ ही निस्तारित प्रकरणों का क्रॉस चेकिंग भी किया जाय।

'सो रहा था मंगेश, जगाकर ले गए पुलिस वाले, चार दिन बाद बोले ले जाओ लाश...' मां की गुहार पर एसपी और एसटीएफ के खिलाफ वाद दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के चर्चित मंगेश यादव एनकाउंटर मामले में सुल्तानपुर एसपी, एसटीएफ प्रभारी समेत कई पुलिसकर्मियों के खिलाफ जौनपुर कोर्ट में वाद दर्ज हुआ है। मृतक मंगेश की मां शीला देवी ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर बेटे की षड्यंत करके हत्या करने का आरोप लगाया है। कोर्ट ने शीला देवी के प्रार्थनापत्र पर मामला दर्ज किया है, साथ ही बख्शा थानाध्यक्ष से रिपोर्ट तलब करते हुए 11 अक्टूबर को अगली तारीख तय की है।

सुल्तानपुर में ज्वैलर्स के यहां लूटकांड के मामले में पुलिस ने 5 सितंबर को आरोपी मंगेश यादव को एनकाउंटर में मार गिराया था। मंगेश के एनकाउंटर के वाद प्रदेश में राजनीतिक पारा बढ़ गया। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भी मंगेश के एनकाउंटर को फर्जी करार देते हुए

निष्पक्ष जांच और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

एसपी सहित पुलिस टीम के खिलाफ वाद

एनकाउंटर में मारा गया लूटकांड का आरोपी मंगेश यादव जौनपुर जिले के बक्शा थानाक्षेत्र के गांव अगरौरा का रहने वाला था। उसकी मां शीला देवी ने अपने अधिवक्ता समर बहादुर यादव और ऋषि यादव के माध्यम से सीजेएम कोर्ट, जौनपुर में प्रार्थनापत्र दिया है। उनका आरोप है कि सुल्तानपुर के एसपी, एसटीएफ प्रभारी डीके शाही और उनकी टीम, तत्कालीन थानाध्यक्ष देहात कोतवाली सुल्तानपुर और उनकी टीम के साथ ही जौनपुर के बक्शा थाने की पुलिस टीम समेत कई अन्य अज्ञात पुलिसकर्मियों ने उनके बेटे की षड्यंत करके, घर से ले जाकर हत्या कर दी।

बेटे को घर से ले गयी थी पुलिस- शीला

शीला देवी ने कोर्ट में दिए गए प्रार्थनापत्र में आरोप लगाया कि 2 सितंबर 2024 की रात 2 बजे उसके दरवाजे पर चार-पांच पुलिसकर्मी आए। उस समय उसका लड़का मंगेश सो रहा था। पुलिसकर्मी मंगेश यादव को जगा कर ले जाने लगे। शीला देवी का कहना है कि उसके पूछने पर पुलिसकर्मियों ने बताया कि मंगेश को पूछताछ के लिए ले जा रहे हैं, पूंछताछ करके मंगेश को छोड़ देंगे। आरोप है कि तीन व चार सितंबर को बक्सा थाने के पुलिसकर्मी रात में घर पर आकर वीडियो बनाते हुए उससे जबरदस्ती यह कहलवाया कि तुम्हारा लड़का दो-तीन माह से घर पर नहीं है। इसके बाद 5 सितंबर को बक्सा थाने से ही पुलिस आई और कहा कि सुल्तानपुर पोस्टमार्टम हाउस जाकर अपने लड़के मंगेश की लाश लेकर आओ। यह सब सुनते ही वह आवक रह गई।

घर से ले जाकर हत्या का आरोप, नहीं दी PM रिपोर्ट

कोर्ट में दिए गए प्रार्थनापत्र में शीला देवी ने कहा है कि उसके बेटे को घर से ले जाकर उसकी हत्या करने के बाद उसके पोस्टमार्टम की रिपोर्ट भी आजतक उसे नही दी गयी, जबकि इसके लिए उसने सौ रुपये शुल्क भी जमा किया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मांगने पर कहा गया कि एसपी ने देने से मना किया है। शीला देवी ने कहा कि लंभुआ एसडीएम द्वारा एनकाउंटर की जांच की जा रही है। नोटिस देकर बयान के लिए बुलाया गया था। परिवार के लोगों को भेजकर जब उसने पीएम रिपोर्ट मांगी तो देने से मना कर दिया गया। शीला देवी ने कोर्ट में कहा कि उसके बेटे की हत्या करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ आजतक न ही कोई कार्रवाई हुई और न ही उसे पीएम रिपोर्ट दी गयी।

क्या था पूरा मामला?

बीती 28 अगस्त को उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर शहर के चौक ठठेरी बाजार निवासी भरत जी सोनी के सर्राफा शोरुम में दिन दहाड़े लूटेरों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया था। 12 बदमाशों ने शोरुम से 1।35 करोड़ रुपयों की ज्वेलरी और नगदी लूटी थी। सभी बदमाशों ने प्लानिंग के तहत तीन ग्रुप में बंटकर लूट की घटना को अंजाम दिया था। 2 सितंबर की रात पुलिस ने घेराबंदी कर तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया था। इनके पास से पुलिस ने करीब 15 किलोग्राम चांदी के जेवरात, 38,500 रुपए की नकदी, चोरी की बाइक, तीन अवैध तमंचे, तीन कारतूस, और छह खोखे भी बरामद किए थे। जबकि डकैती में शामिल गैंग के सरगना विपिन सिंह ने रायबरेली कोर्ट में दूसरे मामले में सरेंडर कर दिया था। पुलिस ने 5 सितंबर को लूट के आरोपी मंगेश यादव को एनकाउंटर में ढेर कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने 23 सितंबर को लूट के आरोपी अनुज प्रताप सिंह मारा गया था।

क्या आपके पास कनेक्टेड कार है? इसके हैक होने का है खतरा, हैकिंग से कैसे बचाएं

डिजिटलीकरण और नई टेक्नोलॉजी के जमाने में, खासकर कनेक्टेड कारों के आने के साथ, एक नया सुरक्षा खतरा सामने आया है जिसे कई कार मालिक नजरअंदाज करते हैं। वह कार हैकिंग है। जिस तरह डिजिटल दुनिया में किसी भी चीज को हैक किया जा सकता है, उसी तरह एक कार भी हैकिंग के खतरे से अछूती नहीं है। यहां हम आपको कार के हैक होने के जोखिम को कम करने के लिए कुछ टिप्स बता रहे हैं।

पारंपरिक तौर पर, हम सीखते आए हैं कि कार को सुरक्षित रखने का मतलब है गाड़ी खड़ी करते समय उसमें रखीं महत्वपूर्ण वस्तुओं को छिपाकर, खिड़कियां बंद करना, दरवाजे बंद करना और चोरी रोकने वाला अलार्म चालू करना। हालांकि, डिजिटलीकरण और नई टेक्नोलॉजी के जमाने में, खासकर कनेक्टेड कारों के आने के साथ, एक नया सुरक्षा खतरा सामने आया है जिसे कई कार मालिक नजरअंदाज करते हैं। वह कार हैकिंग है।

जिस तरह डिजिटल दुनिया में किसी भी चीज को हैक किया जा सकता है, उसी तरह एक कार भी हैकिंग के खतरे से अछूती नहीं है। मॉडर्न कारें एडवांस्ड और कनेक्टेड टेक्नोलॉजी की एक बड़ी रेंज के साथ आती हैं। यह अनिवार्य रूप से मॉडर्न कारों को विशाल चलते हुए कंप्यूटर बना देता है। जबकि ऑटोनॉमस ड्राइविंग वाहन एडेप्टिव क्रूज कंट्रोल, लेन असिस्ट और ऑटोमैटिक ब्रेकिंग जैसी सेफ्टी फीचर्स से लैस होते हैं। उन्हें खासतौर पर हैकिंग का खतरा ज्यादा होता है। फिर भी कारखाने से निकलने वाली कोई भी गाड़ी हैक होने के जोखिम में रहती है।

जाहिर है, वाहन हैकिंग कार मालिकों के लिए एक गंभीर खतरा है। हालांकि वास्तविक दुनिया में बहुत कम हैकरों ने वाहनों को निशाना बनाया है। लेकिन अब तक वाहनों पर किए गए ज्यादातर हैकिंग के मामले आधुनिक वाहनों की कमजोरियों की पहचान करने के लिए काम करने वाली टीमों या शोधकर्ताओं द्वारा पूरे किए गए हैं। यहां हम आपको कार के हैक होने के जोखिम को कम करने के लिए कुछ टिप्स बता रहे हैं।

अपने घर का पता GPS में दर्ज न करें

जीपीएस का पता दर्ज करना, आपके लिए सुविधाजनक हो सकता है। लेकिन इससे हैकर्स को आपका घर आसानी से ढूंढने में मदद मिलेगी। साथ ही, अगर वे आपकी कार के सिस्टम में घुसपैठ कर सकते हैं, तो वे आपके घर में भी घुसपैठ कर सकते हैं। इसलिए, कार के जीपीएस में घर का पता दर्ज करने से बचें।

कार में पासवर्ड न छोड़ें

हैकिंग शारीरिक रूप से भी की जा सकती है। अगर कोई बुरे इरादे से आपके वाहन में घुसता है और कार में छोड़े गए पासवर्ड को ढूंढ लेता है। तो वह व्यक्ति आपके खाते तक पहुंच सकता है। इसलिए, अपनी कार में कोई भी पासवर्ड न छोड़ें।

वायरलेस सिस्टम सीमित करें

ऐसे सिस्टम जो आपको अपने वाहन के कार्यों को डिसेबल करने या दूरस्थ रूप से इसकी निगरानी करने की अनुमति देते हैं, वे मुश्किल हो सकते हैं। हालांकि कई सिस्टम हार्ड-वायर्ड होते हैं। वायरलेस या रिमोट सिस्टम अक्सर ऑनलाइन कंट्रोल होते हैं और हैकिंग के लिए सबसे ज्यादा असुरक्षित होते हैं। इसलिए, जहां तक हो सके, अपनी कार में वायरलेस सिस्टम को सीमित करें।

कार के सिस्टम में अनजान ऐप्स डाउनलोड न करें

आपकी कार का इंफोटेनमेंट सिस्टम असुरक्षित होता है। और अक्सर हैकर्स के लिए आपके वाहन डेटा तक पहुंचने का आसान जरिया होता है। कार के इंफोटेनमेंट सिस्टम में अविश्वसनीय ऐप्स डाउनलोड करने और इस्तेमाल करने से वाहन के सिस्टम में मैलवेयर आ सकता है। कार के इंफोटेनमेंट सिस्टम के वेब ब्राउजर का इस्तेमाल नहीं करना ही बेहतर है। आप हमेशा अपने स्मार्टफोन का इस्तेमाल करके हर काम कर सकते हैं।

वाहन रिकॉल के बारे में अपडेट रहें

कार निर्माता अक्सर अपने वाहनों को वापस मंगवाते हैं। अगर उन्हें अपने संबंधित वाहनों के सिस्टम में कोई गड़बड़ी मिलती है। वे खामियों को दूर करते हुए गड़बड़ियों को ठीक करते हैं। इसलिए, हमेशा ऐसे रिकॉल नोटिफिकेशन के बारे में अपडेट रहें।

कार इंफोटेनमेंट सिस्टम फर्मवेयर को हमेशा अपडेट करें

कार इंफोटेनमेंट सिस्टम फर्मवेयर को अपडेट करना बिल्कुल अपने फोन या लैपटॉप को लेटेस्ट ऑपरेटिंग सिस्टम में अपडेट करने जैसा है। ये अपडेट पैच के जरिए गड़बड़ियों को ठीक करते हैं और सुरक्षा बढ़ाते हैं।

खराब क्वालिटी नमक बन रहा जहर, डाइटिशियन ने किया सबसे हेल्दी नमक का खुलासा

यह कहना गलत नहीं कि नमक के बिना खाना बिल्कुल टेस्टलेस हो जाता है। लेकिन अमेरिका में रहने वाले लोग इसे जरूरत से ज्यादा ही खा रहे हैं। यू.एस. फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (Ref) के मुताबिक(Ref), अमेरिकन लगभग 70% सोडियम प्रोसेस्ड और रेडी टू ईट फूड जैसे पिज्जा, डेली मीट या ब्रेड से ही पूरा कर लेते हैं।

ऐसे में यह ध्यान रखना जरूरी है कि नमक का असर सिर्फ कुकिंग में टेस्ट को एड करने तक ही लिमिटेड नहीं है। ये सेहत पर भी पॉजिटिव और नेगेटिव तरीके से इफेक्ट करती है। ऐसे में रजिस्टर्ड डायटिशियन नैटाली रिज़ो और TODAY.com में न्यूट्रिशन एडिटर बताती हैं कि नमक हाइड्रेशन के लिए जरूरी न्यूट्रिएंट्स है, जिसे हमारी बॉडी खुद नहीं बना पाती है। लेकिन इसे खाते समय क्वांटिटी और क्वालिटी दोनों पर जरूरी होता है।

हर दिन अमेरिकन कितना नमक खाते हैं?

एक्सपर्ट बताती हैं कि रोजाना 2,300 मिलीग्राम सोडियम के इंटेक को सेफ माना जाता है, जो लगभग एक चम्मच नमक के बराबर है। लेकिन एवरेज अमेरिकी हर दिन 3,300 मिलीग्राम सोडियम इंटेक कर रहा है, जो हेल्थ के नजरिए से बहुत खतरनाक है।

ज्यादा नमक खाने से क्या होता है?

नमक में सोडियम होता है, जिसका लेवल बॉडी में बढ़ने से ब्लड प्रेशर की बीमारी होती है, जो हार्ट अटैक और स्ट्रोक के रिस्क को बढ़ाती है। FDA ने फूड आइटम्स बनाने वाली कंपनियों से कम से कम नमक यूज करने की अपील की है। ऐसा करना सैकड़ों हजारों लोगों को असमय मौत से बचाने के लिए जरूरी है।

कितने टाइप का होता है नमक?

1. आयोडाइज्ड साल्ट- यह आमतौर पर टेबल नमक होता है, जिसमें आयोडीन एड जाता है। आयोडीन थायराइड के लिए जरूरी है।

2. नॉन-आयोडाइज्ड साल्ट- इसमें आयोडीन नहीं होता। समुद्री नमक, कोषर नमक और हिमालयन नमक आमतौर पर गैर-आयोडाइज्ड होते हैं।

3. सी साल्ट- यह सी के पानी को इवेपोरेटर करके बनाया जाता है। यह कम प्रोसेस्ड होता है और इसमें कुछ मिनरल्स भी होते हैं।

4. कोषर साल्ट- इसके बड़े क्रिस्टल होते हैं और यह ट्रेडिशनल रूप से मांस को कोषर करने के लिए उपयोग किया जाता है। इसमें सोडियम की मात्रा कम होती है।

5. हिमालयन पिंक साल्ट- यह पाकिस्तान के खेवरा नमक माइंस से आता है। इसमें कुछ मिनरल्स होते हैं, लेकिन उनकी मात्रा न के बराबर ही होती है।

सबसे अच्छा नमक कौन सा होता है?

विशेषज्ञ नताली रिज़ो आयोडाइज्ड साल्ट खाने की सलाह देती हैं, क्योंकि इसमें आयोडीन मौजूद होता है जो थायराइड को बैलेंस करने के लिए जरूरी होता है। यह मेटाबॉलिज्म को कंट्रोल करने वाला एक हार्मोन है, जो प्रेगनेंसी के दौरान बच्चे की हड्डियों और दिमाग के ग्रोथ के लिए जरूरी होता है।

इसके अलावा सभी प्रकार के नमक, जैसे टेबल नमक, कोषर नमक और सी सॉल्ट पोषण में लगभग समान होते हैं। हालांकि पिंक नमक में कुछ ट्रेस मिनरल होते हैं, लेकिन उनकी मात्रा बहुत कम होती है।

नमक का सेवन कैसे कम करें?

डाइटिशियन के मुताबिक नमक का सेवन कम करने का एक तरीका यह है कि आप एसिड का सेवन बढ़ाएं। नींबू या सिरका का उपयोग करने से खाने का स्वाद बढ़ता है और कम नमक की आवश्यकता होती है।

साथ ही, फैंसी या कोर्स नमक से बचें। ये नमक लोग ज्यादा पसंद करते हैं और इससे वे अनजाने में ज्यादा नमक खा लेते हैं। नॉर्मल टेबल नमक का ही सेवन करें, सस्ता होने के साथ ही यह बहुत कम मात्रा में पूरा टेस्ट देता है।

वर्किंग पेरेंट्स के लिए मुश्किल हो सकती है बच्चों की परवरिश, इन 3 तरीकों से बनाएं इसे आसान

इन दिनों लोगों की लाइफस्टाइल तेजी बदल रही है। काम के बढ़ते प्रेशर की वजह से लोग अक्सर समय की कमी का शिकार हो जाते हैं। यही वजह है कि माता-पिता अक्सर अपने बच्चों को समय नहीं दे पाते हैं जिसकी वजह से यह दूर हो जाते हैं। हालांकि कुछ ऐसी बातें हैं जिन्हें फॉलो कर आप अपने बच्चों का सही परवरिश दे सकते हैं।

आज के दौर में बच्चों की परवरिश का तरीका काफी बदल चुका है। बदलते परिवेश की वजह से बच्चों की परवरिश मौजूदा समय में काफी मुश्किल हो गई है। बढ़ती महंगाई और बदलती लाइफस्टाइल की वजह से आजकल माता-पिता दोनों की कामकाजी हो चुके हैं। ऐसे में इन दिनों काम के बढ़ते प्रेशर की वजह से लोग अक्सर अपने परिवार और बच्चों को टाइम नहीं दे पाते हैं।

अक्सर वर्किंग पेरेंट होने की वजह से अभिभावक बच्चों पर सही तरीके से ध्यान नहीं दे पाते हैं। ऐसे में बच्चे अपने पेरेंट्स से दूर होने लगते हैं और इसकी वजह से वह कई बार गलत रास्तों पर चले जाते हैं। अगर आप भी एक वर्किंग पेरेंट हैं, तो आज इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जो एक वर्किंग पेरेंट को अपने बच्चों को सही परवरिश के लिए जरूर अपनानी चाहिए।

सुबह जल्दी उठें

माता-पिता और बच्चे सभी सुबह जल्दी उठें। सुबह जल्दी उठने से आप पाएंगे कि आपको एक दिन में अपने लिए काफी समय मिल जाता है। इस समय को आप अपने बच्चे के साथ शेयर करने के लिए चुनें। बच्चे को स्कूल जाने के टाइम से पहले उठाएं। इससे बच्चे की आदत और उनका स्वास्थ्य दोनों में ही सुधार आएगा। बच्चे के साथ बैठ कर योग करें, उन्हें सूर्योदय और आकाश दिखाएं, प्रकृति से जोड़ें। इससे बच्चे में प्रकृति से भी जुड़ने के संस्कार आते हैं और वह स्वस्थ भी होते हैं। साथ ही वह आपके साथ अधिक समय भी व्यतीत कर पाते हैं, क्योंकि इसके बाद आप ऑफिस और बच्चा स्कूल के लिए निकल लेगा। इस लिए इस समय का भरपूर इस्तेमाल करें।

हफ्ते में एक पूरा दिन बच्चे को दें

हफ्ते या दस दिन में एक पूरा दिन बच्चे को समर्पित करें। उनके पसंद का खाना बनाएं, उन्हें मिलकर कहीं घुमाने ले कर जाएं, उनके साथ कोई अच्छी मूवी देखें या फिर बच्चे के पसंद का कोई भी काम जैसे पेंटिंग, डांसिंग, क्राफ्ट वर्क आदि साथ में बैठ कर करें। इससे बच्चा आत्मिक रूप से आपसे जुड़ेगा। अपनी पसंद-नापसंद और अपनी सभी बातें आपसे शेयर करेगा। इससे हफ्ते भर में अगर उसे किसी दिन नेगलेक्ट महसूस हुआ भी होगा तो उस दिन की भरपाई इस प्रकार से हो जाएगी।

दिनभर में आधा घंटा बच्चे की बातें ध्यान से सुनें

बच्चे सवालों का पिटारा होते हैं। उनके मन में लाखों सवाल प्रतिदिन आते हैं और दिन भर की सभी बातें शेयर करने के लिए भी उन्हें किसी की जरूरत होती है। अक्सर वर्किंग माता-पिता यह बोल कर बच्चे को चुप करा देते हैं कि ₹अभी नहीं बोलो बेटा, बाद में बताना, अभी मैं बिजी हूं₹। जायज है कि आप वास्तव में व्यस्त हो सकते हैं, लेकिन ऐसे में एक रूटीन ऐसी बनाएं, जिसमें अपने बच्चे के सभी जिज्ञासु सवाल और उसकी दिनभर की बातें आप ध्यान से सुनें, अपना फोन या टीवी किनारे कर के। बच्चे की आंखों में आंखें डाल कर उचित प्रतिक्रिया देते हुए बात करें। बच्चा आप से जुड़ा हुआ महसूस करेगा और अपनी बात शेयर करने के लिए आपके अलावा किसी और के पास कभी नहीं जाएगा।

देश में सीनियर सिटीजन्स के नाम पर कई सरकारी योजनाएं, लेकिन बुजुर्गों को क्या मिलता है लाभ?

सरकार ने रिटायर करने के बाद बुजुर्गों का जीवन सुखमय तरीके से बिताने के लिए करीब 8-10 योजनाओं की शुरुआत की| सरकार ने 60 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए वरिष्ठ नागरिक बचत योजना की शुरुआत की है|

बचपन में स्कूलों में पढ़ाई के दौरान मास्टर साहब अपने छात्रों को अक्सर यह समझाते हुए पाए जाते हैं कि माता-पिता, अतिथि, गुरु और बुजुर्गों को देवता के समान समझना चाहिए। उनका सम्मान करना चाहिए और उनके लिए हमेशा कुछ न कुछ करते रहना चाहिए। सरकार भी कहती है कि बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए। आदमी जब तक जवान रहता है, अपने भविष्य के लिए कम, बच्चों और परिवार के भविष्य के लिए ज्यादातर चिंता करता है। अपनी गाढ़ी कमाई का अधिकांश हिस्सा उन्हीं पर खर्च कर देता है, लेकिन रिटायर कर जाने के बाद उन बुजुर्गों की चिंता कोई नहीं करता। यहां तक कि सरकार भी तभी तक चिंता करती है, जब तक वे नौकरी में हैं और हाथ-पैर चलता रहता है। रिटायर करने पर आर्थिक तंगी की मार झेलते हुए ये बुजुर्ग घर के किसी कोने में पड़े रहते हैं या फिर ओल्ड एज होम्स में भेज दिए जाते हैं। कहने के लिए सरकार ने बुजुर्गों के नाम पर बुजुर्गों के लिए करीब 8-10 योजनाएं तैयार की, लेकिन वित्तीय तौर पर उन्हें मजबूत बनाने के लिए ले-देके एक ही योजना है और वह है फिक्स्ड डिपॉजिट। आइए, जानते हैं कि सरकार ने बुजुर्गों के नाम पर कितनी योजनाएं शुरू कीं और ये योजनाएं किस तरह काम करती हैं? क्या सही मायने में ये बुजुर्गों की लाठी बनकर सहारा देती हैं?

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना

सरकार ने 60 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एससीएसएस) की शुरुआत की है। हालांकि, सरकार ने इस योजना को वरिष्ठ नागरिकों के लिए पेश किया था, लेकिन इस योजना में 50 से 60 उम्र वर्ग के नौकरी-पेशा लोग निवेश करते हैं, ताकि उन्हें टैक्स से छूट का लाभ मिलता रहे। इस योजना में निवेश करने पर करीब 8।20% रिटर्न दिया जाता है। इसमें कम से कम 1000 रुपये से लेकर अधिकतम 30 लाख रुपये तक निवेश किया जा सकता है। इसकी मैच्योरिटी पीरियड 5 साल का है। खाता खोलने की डेट के एक साल बाद ही इसे बंद किया जा सकता है। अगर आप दो साल पूरा होने से पहले खाता बंद कर देते हैं, तो आपकी जमाराशि पर 1।50% जुर्माना लग जाएगा। इस योजना के तहत आयकर की धारा 80सी के तहत टैक्स से छूट का लाभ दिया जाता है।

भारत में बुजुर्गों के लिए सरकार ने कितनी योजनाएं बनाई?

सरकार ने रिटायर करने के बाद बुजुर्गों का जीवन सुखमय तरीके से बिताने के लिए करीब 8-10 योजनाओं की शुरुआत की| इनमें वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एससीएसएस), प्रधानमंत्री वय वंदन योजना (पीएमवीवीवाई), डाकघर मासिक आय योजना (पीओएमआईएस), वरिष्ठ नागरिक फिक्स्ड डिपॉजिट (एसएसएफडी), फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), व्यवस्थित जमा योजना, म्यूचुअल फंड्स, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस), इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) और कुछ पेंशन योजनाएं शामिल हैं|

प्रधानमंत्री वय वंदन योजना

केंद्र सरकार ने साल 2017 में प्रधानमंत्री वय वंदन योजना की शुरुआत की थी। पहले इसकी मियाद 31, मार्च 2020 तक थी, जिसे बढ़ाकर 31 मार्च 2023 किया गया था। इस योजना के तहत 60 साल या उससे अधिक उम्र के लोग खाता खोलकर निवेश कर सकते हैं। सरकार की ओर से इस योजना में निवेश करने पर सालाना 8% रिटर्न दिया जाता है। इस योजना में कम से कम 1.5 लाख रुपये और अधिकतम 7.5 लाख रुपये तक निवेश किया जा सकता है। इस पॉलिसी की अवधि 10 साल है। इसमें ब्याज का भुगतान मासिक, त्रैमासिक या अर्धवार्षिक हो सकता है। इस योजना में तीन साल के बाद जमा राशि का करीब 75% तक लोन लिया जा सकता है। गंभीर बीमारी की स्थिति में समय से पहले भी इससे करीब 98% तक रकम निकाली जा सकती है।

डाकघर मासिक आय योजना

सरकार की इस योजना के तहत न केवल 60 साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक बल्कि 10 साल से ऊपर का कोई भी व्यक्ति खाता खोलकर पैसा जमा कर सकता है। सरकार की इस योजना में जमा राशि पर 7.40% रिटर्न मिलता है। इसमें कम से कम 1500 रुपये और अधिकतम 4.5 लाख रुपये जमा करने के बाद खाता खोला जा सकता है। इसमें न्यूनतम निवेश की अवधि पांच साल है। अगर मैच्योरिटी डेट से पहले किसी को पैसे की जरूरत है, तो लगातार एक साल तक पैसा जमा करने के बाद रकम की निकासी की जा सकती है।

वरिष्ठ नागरिक फिक्स्ड डिपॉजिट

सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए कोविड महामारी के दौरान मई 2020 में इस योजना की शुरुआत की गई थी। इसमें 60 साल या उससे अधिक उम्र के लोग खाता खोलकर पैसा जमा कर सकते हैं। इस योजना के तहत निवेशक को सालाना 7.80% रिटर्न मिलता है। हालांकि, लघु वित्त बैंक वरिष्ठ नागरिक फिक्स्ड डिपॉजिट पर सालाना 9.75% तक रिटर्न मिल जाता है। इसमें 180 से लेकर एक साल, तीन साल और पांच साल के लिए किसी भी बैंक की शाखा में खाता खुलवाकर पैसा जमा किया जा सकता है। इनमें निवेश की न्यूनतम राशि 5000 रुपये और अधिकतम 2 करोड़ रुपये तक है। ये बैंकों की पॉलिसी के आधार पर निर्भर करता है।

फिक्स्ड डिपॉजिट

भारत में फिक्स्ड डिपॉजिट लंबे समय से निवेश का सबसे पसंदीदा ऑप्शन रहा है। खासकर, वरिष्ठ नागरिकों के लिए इसे सबसे अधिक फायदेमंद माना जाता रहा है। एक जमाने में यह कहा जाता था कि इस योजना के तहत बैंकों में पांच साल के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट करने पर पैसा दोगुना हो जाता था। फिलहाल पैसा दोगुना तो नहीं होता, लेकिन बैंकों की ओर से 7.5% से लेकर 9% सालाना रिटर्न दिया जाता है। इसमें पैसा सुरक्षित रहने के साथ गारंटीड रिटर्न है।

व्यवस्थित जमा योजना

व्यवस्थित जमा योजना (एसडीपी) में व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) और फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की खूबियां शामिल हैं। इस योजना के तहत एकमुश्त बड़ी रकम जमा करने के बजाय एसआईपी की तरह मासिक आधार पर छोटी-छोटी रकम जमा करना पड़ता है। हर मासिक जमा को एक अलग एफडी माना जाता है और हर जमा पर बेहतर रिटर्न दिया जाता है। इसमें सालाना करीब 8.85% तक रिटर्न मिल जाता है। इस अवधि 12 से 60 महीना है। इस योजना के तहत पैसा जमा करने के दो ऑप्शन दिए जाते हैं। एक सिंगल मैच्योरिटी स्कीम होती है और दूसरी मंथली मैच्योरिटी स्कीम।

म्यूचुअल फंड

एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में पैसा निवेश करके भविष्य के लिए मोटी रकम जमा की जा सकती है। लोग म्यूचुअल फंड के माध्यम से इक्विटी और डेट फंडों में निवेश करते हैं। इन फंडों की देखरेख फंड मैनेजर करते हैं। इसमें जमा किए जाने वाले पैसों का शेयर बाजार में इस्तेमाल किया जाता है और उससे होने वाली कमाई पर निवेशकों को कंपाउंडिंग के साथ रिटर्न दिया जाता है। रिटायर्ड पर्सन शॉर्ट टर्म डेट फंड में पैसा लगाकर बेहतर रिटर्न हासिल कर सकते हैं। इसका पैसा बॉन्ड में निवेश किया जाता है और एक से तीन साल के लिए अच्छी क्रेडिट रेटिंग वाली कंपनियों को उधार के तौर पर दिया जाता है। ये डेट फंड बैंकों में फिक्स किए गए पैसों से कहीं अधिक रिटर्न दे सकते हैं। इसमें शॉर्ट टर्म वाले फंड में निवेश करने पर सालाना 7.81 फीसदी और कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड में 8.34 फीसदी रिटर्न मिल जाता है। लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करने पर 12 से 15% तक रिटर्न मिल जाता है।

इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम

इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) टैक्स सेविंग म्यूचुअल फंड स्कीम है, जो मुख्य तौर पर इक्विटी या इक्विटी से जुड़े इंस्ट्रूमेंट में निवेश करती है। इस योजना का उद्देश्य इक्विटी मार्केट में निवेश करके लॉन्ग टर्म में कमाई करना है। इसमें निवेश की डेट से तीन साल तक लॉकइन पीरियड होती है। आयकर कानून की धारा 80सी के तहत टैक्स से छूट का लाभ मिलता है।

छोटी बचत योजनाओं पर अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में समान रहेगी ब्याज दर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार की ओर से अक्टूबर से दिसंबर की अवधि के लिए छोटी बचत योजनाओं जैसे पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं गया है। सरकार के इस फैसले के बाद छोटी बचत योजनाओं पर जुलाई से सितंबर की अवधि में मिल रही ब्याज दर ही जारी रहेगी।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी किए गए नोटिफिकेशन में कहा गया कि वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही यानी 1 अक्टूबर, 2024 से लेकर 31 दिसंबर 2024 तक की अवधि के लिए सभी छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस दौरान वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही (1 जुलाई, 2024 से 30 सितंबर, 2024) के लिए अधिसूचित की गई ब्याज दरें ही लागू रहेंगी।

छोटी बचत योजनाओं में पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस), सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई), नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (एनएससी), पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट (पीओटीडी), महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट (एमएसएससी) किसान विकास पत्र (केवीपी) और पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम (पीओएमआईएस) को शामिल किया जाता है।

छोटी बचत योजनाओं में सबसे अधिक 8.2 प्रतिशत का ब्याज सुकन्या समृद्धि योजना और सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम पर मिल रहा है। इसके बाद नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट पर 7.7 प्रतिशत, किसान विकास पत्र और महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट पर 7.5 प्रतिशत, मंथली इनकम स्कीम पर 7.4 प्रतिशत और पब्लिक प्रोविडेंट फंड पर 7.1 प्रतिशत का ब्याज मिल रहा है। पोस्ट ऑफिस में बचत खाते पर 4 प्रतिशत, एक साल के टर्म डिपॉजिट पर 6.9 प्रतिशत, दो साल के टर्म डिपाजिट पर 7 प्रतिशत, तीन साल के टर्म डिपाजिट पर 7.1 प्रतिशत, पांच साल के टर्म डिपाजिट पर 7.5 प्रतिशत और पांच साल की आरडी पर 6.7 प्रतिशत का ब्याज मिल रहा है।

मोसाद के मुख्यालय के बाहर गिरी ईरान की मिसाइल, गहरे गड्ढे का वीडियो आया सामने

यरुशलम, एजेंसी। ईरान ने मंगलवार रात को इस्राइल के कई ठिकानों को निशाना बनाते हुए मिसाइल हमला किया था। ईरान का दावा है कि, उसने इस्राइल पर 200 से अधिक रॉकेट दागे हैं। इस रॉकेट हमलों में इस्राइल के भीतर कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। हमले में कई लोगों को घायल होने की खबरें सामने आ रही हैं। इस हमले में ईरान ने फतेह मिसाइलों का इस्तेमाल किया था।

ईरान द्वारा कल रात दागी गई 180 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलों में से एक इस्राइली खुफिया सेवा मोसाद के तेल अवीव मुख्यालय के पास गिरी है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रही है। जिसमें तेहरान के मिसाइल हमले के बाद मोसाद मुख्यालय के पास हुआ एक बड़ा गड्ढा दिखाई दे रहा है। वायरल

हो रहे वीडियो को मोसाद मुख्यालय से 3 किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित हर्जलिया की एक ऊंची अपार्टमेंट बिल्डिंग से शूट किया गया था। वायरल हो रहे वीडियो में एक विशाल गड्ढा दिख रहा है, जो एक पार्किंग स्थल जैसा लग रहा है। मिसाइल हमले से उड़ी धूल से आस-पास खड़ी कई गाड़ियां मिट्टी से ढक गईं। यह गड्ढा एक सिनेमा कॉम्प्लेक्स से कुछ सौ मीटर की दूरी पर है।

इन तीन सैन्य बेस को निशाना बनाया

ईरान ने तेल अवीव में इस्राइल के तीन सैन्य बेस और खुफिया एजेंसी मोसाद के हेडक्वार्टर को निशाना बनाकर मिसाइलें दागी थीं। इस्राइल के नेवटिम, हत्जेरीम और तेल नोफ सैन्य बेस पर मिसाइलें दागी गईं। टेल नोफ और नेवाटिम इजरायली सेना आईडीएफ के सबसे एडवांस सैन्य बेस हैं। मंगलवार रात को जब ईरान ने मिसाइल हमला शुरू किया तो इस्राइली शहरों में हवाई हमले के सायरन बजने लगे और लगभग 10 मिलियन लोग बम शेल्टर्स में जाकर छिप गए।

कई मिसाइलों ने तोड़ी सुरक्षा शील्ड

ईरान का कहना है कि उनकी ओर से दागी गई 90 फीसदी मिसाइलें टारगेट पर जाकर गिरी है जबकि इस्राइली सेना का कहना है कि अधिकांश मिसाइलों को देश की उन्नत रक्षा प्रणालियों आयरन डोम और एरो द्वारा रोक दिया गया। लेकिन कुछ मिसाइलें शील्ड में घुस गईं, जिससे मामूली क्षति हुई है। ईरान की ओर से यह मिसाइल हमला इस्राइली सैन्य हमलों में हिजबुल्ला प्रमुख हसन नसरल्ला और हमास नेता इस्माइल हनीयेह की हत्या का बदला लेने के लिए किया गया था।

हाइपरसोनिक फतह मिसाइलों का ईरान ने किया इस्तेमाल

ईरान के शीर्ष सैन्य अधिकारी मोहम्मद बाघेरी के हवाले से ईरानी सरकारी टेलीविजन ने दावा किया कि ईरान ने मंगलवार देर रात इस्राइल के दो सैन्य ठिकानों और इस्राइल की खुफिया सेवा मोसाद के मुख्यालय को निशाना बनाकर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

ईरानी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के प्रमुख मोहम्मद बाघेरी ने प्रेस टीवी को बताया कि नेवटिम एयर बेस, हत्जेरीम सैन्य सुविधा और टेल नोफ खुफिया इकाई को मंगलवार रात को निशाना बनाया गया। तेहरान टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, नेवटिम एयर बेस में इस्राइल के F-35 लड़ाकू विमान मौजूद हैं। 27 सितंबर को बेरूत पर बमबारी करने वाले लड़ाकू विमानों ने इसी सैन्य एयर बेस से उड़ान भरी थी। ईरानी समाचार पत्र के अनुसार, इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स ने तीन साइटों को निशाना बनाने में हाइपरसोनिक फतह मिसाइलों का इस्तेमाल किया।

कमेंट करना सबका अधिकार, फिर बुरा मत मानना... एस जयशंकर ने अमेरिका को दिया दो टूक जवाब

वॉशिंगटन, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका में भारत के लिए किए गए एक सवाल पर दो टूक जवाब दिया। जब उनसे भारत में लोकतंत्र के बारे में टिप्पणी करने वाले अमेरिकी राजनीतिक नेताओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि कमेंट करने का पूरा अधिकार है लेकिन मुझे भी आपके कमेंट पर कमेंट करने का पूरा अधिकार है। अगर मैं ऐसा करूं तो बुरा मत मानना।

विदेश मंत्री एक जयशंकर ने अमेरिका के टॉप थिंक टैंक 'कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस' में किए गए सवाल के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा कि एक तो सच्चाई है और दूसरा सच्चाई से निपटना है। सच्चाई यह है कि दुनिया बहुत ग्लोबलाइज्ड है। यह जरूरी नहीं है कि राजनीति देश की राष्ट्रीय सीमाओं के अंदर ही रहे। संयुक्त राज्य अमेरिका यह आश्वस्त करने के लिए खास कोशिश करता है कि ऐसा न हो। उन्होंने आगे कहा कि यह इस बात का एक हिस्सा है कि अमेरिका ने सालों से अपनी विदेश नीति को कैसे ओपरेट किया यानी चालाया है। कुछ खिलाड़ी वह न केवल अपने देश की राजनीति को आकार देना चाहते हैं, बल्कि विश्व स्तर पर ऐसा करने का प्रयास करते हैं। आप लोगों के बारे में रिपोर्ट लिखते हैं और देशों पर प्रकाश डालते हैं। लोकतंत्रों का एक जैसा सम्मान किया जाना चाहिए, ऐसा नहीं हो सकता कि एक देश के लोकतंत्र को टिप्पणी करने का अधिकार हो और यह विश्व स्तर पर लोकतंत्र को बढ़ावा देने का एक हिस्सा है लेकिन जब और लोग ऐसा करते हैं तो यह विदेशी हस्तक्षेप बन जाता है।

दिया दो टूट जवाब

इसके साथ ही एक जयशंकर ने दो टूक जवाब देते हुए कहा कि विदेशी हस्तक्षेप, विदेशी हस्तक्षेप है, चाहे यह कोई भी करे और जहां भी किया जाए यह एक परीक्षण क्षेत्र है और मेरा अपना मानना यह है कि आप ऐसा करते हैं। आपको टिप्पणी करने का पूरा अधिकार है लेकिन मुझे भी आपकी टिप्पणी पर टिप्पणी करने का पूरा अधिकार है, तो इसलिए जब मैं ऐसा करूं तो बुरा मत मानना"

इजराइल के तेल अवीव में आतंकी हमला, अंधाधुंध गोलीबारी में 8 की मौत

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल में तेल अवीव में आतंकी हमला हुआ है। यहां दो अज्ञात हमलावरों ने अंधाधुंध गोलीबारी की है। इसमें 8 लोगों के मारे जाने की सूचना है। इस हमले में कई लोगों के हताहत होने की भी सूचना है। बताया जा रहा है कि ये अटैक जाफा में स्टेशन के पास किया गया था। इजराइली पुलिस की ओर से एक वीडियो भी जारी किया गया है, जिसमें दो बंदूकधारी ट्रेन से उतरते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस ने दोनों को मार गिराया है।

यह हमला इजराइली समयानुसार शाम 7 बजे हुआ था। जिसमें जाफा के पास स्टेशन पर अचानक गोलीबारी शुरू हो गई थी। जब तक सुरक्षाबल कुछ समझते तब तक हमलावर काफी लोगों को घायल कर चुके थे। बाद में इनमें से 8 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए।

इजराइल ने मार गिराए आतंकी

तेल अवीव पर हमला करने वाले दोनों आतंकियों को ढेर कर दिया गया है। पुलिस इस बात को खंगालने में लगी है कि आखिर ये आतंकी कहां से आए थे और इनका मकसद क्या था। फिलहाल पुलिस हर्जलिया के एक होटल में आतंकियों को लेकर जांच कर रही है। माना जा रहा है कि अभी और आतंकी छिपे हो सकते हैं।

इजराइल को लगातार मिल रही थी धमकियां

हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह की मौत के बाद से इजराइल को लगातार धमकियां मिल रही थीं। इजराइल में इसी तरह की आतंकी वारदात की चेतावनियां दी जा रही थीं। इजराइली फोर्स की ओर से भी लगातार नागरिकों को अलर्ट किया जा रहा था। इसी बीच मंगलवार को अचानक ये वारदात हो गई।बताया जाता है कि इजराइल के समयानुसार शाम 7 बजे पहले हमले की सूचना मिली थी। इसके बाद इजराइली फोर्स ने अलर्ट होकर आतंकियों को मार गिराया।

आतंकी हमले के बाद ईरान ने दागी मिसाइलें

इजराइल के तेल अवीव में आतंकी हमले के बाद ईरान ने इजराइल पर अंधाधुंध मिसाइलें दागीं। दावा किया गया है कि इन मिसाइलों की संख्या 400 से ज्यादा थी। हालांकि इजराइल के आयरन डोम ने इन सभी मिसाइलों का मुकाबला किया और ज्यादातर को हवा में ही ढेर कर दिया।

इजराइल पर ईरान के हमले की किस-किस देश ने की आलोचना भारत-सऊदी और रूस ने क्या कहा?

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल और ईरान के बीच की अदावत कोई नहीं है बल्कि सालों पुरानी है। हालिया संघर्ष ने इसे और बढ़ा दिया है। इजराइल ने हाल ही में लेबनान के दाहिया में हिजबुल्लाह हेडक्वार्टर पर हमला कर दिया था। इस हमले में हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह समेत उसके कई कमांडरों की मौत हो गई थी। नसरल्लाह की मौत के जवाब में ईरान ने मंगलवार रात को इजराइल पर मिसाइलों की बरसात कर दी।

ईरान ने इजराइल में करीब 200 मिसाइलें दागीं। हमले के बाद ईरान ने साफ कहा कि बदले की कार्रवाई के तहत इजराइल पर ये हमला किया गया है। अगर उसने जवाई कार्रवाई की तो हम इजराइल पर फिर हमला करेंगे। उधर, इस हमले के बाद इजराइल ने बदला लेने की कसम

खाई है। इजराइल पर ईरान के इस हमले की कई देशों ने आलोचना की है। ऐसे में आइए जानते हैं किस देश ने क्या कहा?

जंग के गंभीर परिणाम होंगे- संयुक्त राष्ट्र

ईरानी हमलों के बाद संयुक्त राष्ट्र ने दोनों पक्षों से युद्धविराम की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने कहा कि इजराइल और ईरान के बीच अगर जंग शुरू होता है तो इसके गंभीर परिणाम होंगे।

फ्रांस ने जताई चिंता

फ्रांस के प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर ने कहा कि वह इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष को लेकर चिंतित हैं। बार्नियर ने कहा कि मिडिल ईस्ट में स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है और हमले हो रहे हैं। हमें इसे रोकना होगा।

भारत ने अभी तक खुद को दूर रखा है

उधर, भारत ने इस मामले से अभी तक खुद को दूर रखा है। इजराइल पर ईरान के हालिया हमले को लेकर भारत ने अभी कोई बयान नहीं दिया है। वैसे भी भारत को इस संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने की संभावना कम है क्योंकि भारत हमेशा इस मुद्दे पर तटस्थ रहा था।

भारत का हमेशा से यह मानना रहा है कि संघर्ष का समाधान केवल बातचीत से हो सकता है युद्ध से नहीं। हालांकि, पीएम मोदी ने हाल ही में इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से बात की थी। सऊदी अरब का भी अभी तक इस पर कोई बयान नहीं आया है।

अमेरिका ने ईरान को दी चेतावनी

इजराइल पर हमले के बाद अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी। इजराइल के समर्थन में अमेरिका खुलकर उतर गया है। अमेरिका ने ईरान को इजराइल पर हमले तुरंत बंद करने को कहा है नहीं तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। बताया जा रहा है कि अमेरिकन इंटेलिजेंस ने इजराइल को पहले ही आगाह कर दिया था कि ईरान उस हमला करने वाला है।

रूस ने क्या कहा?

वहीं, इजराइल ईरान संघर्ष पर रूस का भी बयान सामने आया है। रूस की विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा है कि मिडिल ईस्ट में बाइडेन प्रशासन पूरी तरह विफल रहा। बाइडेन प्रशासन केवल तनाव को बढ़ा रहा है।

11 दिन की तपस्या के तहत तिरुपति मंदिर पहुंचे पवन कल्याण, बेटी ने भी दर्शन से पहले आस्था जाहिर की

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश में तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में पशु चर्बी मिलने के बाद राज्य की राजनीति गरमाई हुई है। इस बीच उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बुधवार को अपनी बेटियों के साथ तिरुपति मंदिर का दौरा किया। उन्होंने इस दौरे के दौरान अपने साथ वाराही घोषणापत्र लेकर गए, जिसे वह गुरुवार को एक बैठक में घोषित करेंगे। जनसेना ने एक विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी। बता दें कि पवन कल्याण ने पिछली सरकार द्वारा किए गए पापों के प्रायश्चित करने के लिए 11 दिनों का उपवास रखने का फैसला किया था। उन्होंने इस तपस्या के बीच मंदिर का दौरा किया। उनकी छोटी बेटी ने बताया कि वह भगवान वेंकटेशिवर में आस्था रखती हैं।

पवन कल्याण ने किया तिरुपति मंदिर का दौरा

जनसेना ने कहा, 'उपमुख्यमंत्री और जनसेना के अध्यक्ष पवन कल्याण ने आज तिरुमाला श्रीवारी दर्शनम किया। वे अपने साथ विराही घोषणापत्र लेकर गए, जिसे वे गुरुवार को बैठक में पढ़ेंगे।' मंदिर जाने से पहले पवन कल्याण की छोटी बेटी पलिना अंजनी कोनिडेला ने बताया कि वह भगवान वेंकटेश्वर में आस्था रखती है। जनसेना ने विज्ञप्ति में आगे कहा, 'पलिना अंजनी कोनिडेला ने तिरुमाला में श्रीवारी (देवता) के दर्शन की आस्था जाहिर की। उन्होंने टीटीडी स्टाफ द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए।' हालांकि, पलिना अंजनी नाबालिग है, इसलिए उनके पिता पवन कल्याण ने भी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किया।

डिप्टी सीएम की छोटी बेटी कथित तौर पर एक गैर हिंदू हैं। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के नियमों के तहत इस बात की अनिवार्यता है कि गैर-हिंदूओं को मंदिर में दर्शन करने से पहले भगवान के प्रति अपनी आस्था जाहिर करनी होती है। इसके लिए उन्हें एक घोषणा पत्र देना होता है। बता दें कि यह घोषणा महत्वपूर्ण है, क्योंकि भाजपा नेताओं और कई हिंदूओं ने मांग की थी कि वाईएसआईसीपी प्रमुख और पूर्व सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी को मंदिर की अपनी यात्रा रद्द करने से पहले इसी तरह की घोषणा जारी करनी होगी।

महाराष्ट्र की सियासी हलचल : चुनाव से पहले अमित शाह से मिले अजित पवार, विपक्षी गठबंधन में भी सीट बंटवारे पर मंथन

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में बैठकों का दौर जारी है। एक और महायुति से उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह से मुंबई मुलाकात की तो दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी में भी सीटों के बंटवारे को लकर मंथन हो रहा है। दोनों ही दल जल्द से जल्द सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। हालांकों, बैठक में क्या बात हुई, इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है।

बता दें कि अमित शाह और अजित पवार की बैठक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ 'महायुति' गठबंधन में मौजूदगी और उनकी पार्टी की ओर से कुछ भाजपा नेताओं के मुस्लिम विरोधी प्रचार का विरोध करने को लेकर उपजे मतभेद की पृष्ठभूमि में हुई है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता भी राकांपा को लेकर नुक्ताचीनी करते रहे हैं।

सीटों के बंटवारे को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया

महायुति के तीनों सहयोगी दलों ने 228 सदस्यीय विधानसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे को अभी अंतिम रूप नहीं दिया है, जिसके अगले महीने होने की उम्मीद है।

'भाजपा को राकांपा से नुकसान हुआ'

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पिछले हफ्ते स्वीकार किया था कि 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को अपने नए सहयोगी राकांपा से शिवसेना की तुलना में कम वोट मिले थे।

गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने पर फोकस

अजित पवार ने इससे पहले कहा था कि महायुति के सहयोगी दल एकजुट रहेंगे और वह विधानसभा चुनाव में गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे। इससे पहले अमित शाह ने मंगलवार को मुंबई में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था।

दुनिया जीतने निकलीं नौसेना की दो जांबाज महिला अधिकारी, 21600 समुद्री मील की करेंगी यात्रा

पणजी। भारतीय नौसेना की दो महिला अधिकारियों ने दुनिया पर फतह हासिल करने के लिए कमर कस ली है। भारतीय नौसेना की दो महिला अफसरों लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और रूपा अलीगिरिसामी को पूरे विश्व के एकल नौकायन अभियान के प्रशिक्षण के लिए चुना गया है। यह महिला अधिकारी नाव पर बैठकर दुनिया का चक्कर लगाने के लिए आज रवाना हुईं।

यह अभियान कितना खतरनाक और चुनौतियों से भरा होगा, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आठ महीने में 21,600 समुद्री मील की यात्रा महिला अधिकारी तय करेंगी। इनकी नाव केप लीउविन, केप हॉर्न और केप ऑफ गुड होप के आसपास के खतरनाक जल मार्ग से होकर जाएगी।

भारतीय नौसेना की दो महिला अफसरों को पिछले साल नवंबर से 17 मीटर के पोत पर प्रशिक्षण दिया जा रहा था। प्रशिक्षण अभियान के तहत उन्होंने अब तक 38,000 समुद्री मील का नौकायन पूरा किया था। अब आखिरकार दोनों अधिकारी असली यात्रा पर निकल गई हैं। इनके अगले साल मई में गोवा लौटने की उम्मीद है।

इस ऐतिहासिक यात्रा को पणजी के पास नौसेना महासागर नौकायन नोड 'आईएनएस मंडोवी' से रवाना किया गया तथा दोनों अधिकारी भारतीय नौसेना नौकायन पोत (आईएनएसवी) तारिणी पर सवार हुए।नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने दक्षिणी नौसेना कमान के प्रमुख वाइस एडमिरल वी श्रीनिवास और अन्य की उपस्थिति में यात्रा को हरी झंडी दिखाई।

'हम सभी के लिए एक गर्व का पल'

एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने पत्रकारों से कहा, 'यह हम सभी के लिए एक गर्व का पल है। भारतीय नौसेना की दो जांबाज अधिकारी कठिन परिस्थितियों से लड़ने के लिए कौशल, साहस की भावना, निडरता और ध्यान तथा क्षमता का प्रदर्शन करेंगी। वहीं, भारतीय नौसेना उनके साहसिक कार्य पर नजर रखेगी। आज यात्रा शुरू करने के लिए हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि चालक दल के केवल दो सदस्य हैं, लेकिन मिशन भारतीय ध्वज को ऊंचा फहराने का है। वे 38,000 समुद्री मील तक नौकायन कर चुके हैं और तीन साल का प्रशिक्षण भी ले चुके हैं। नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि आठ महीने की अवधि में दोनों अधिकारी बिना किसी बाहरी सहायता के 21,600 समुद्री मील से अधिक की यात्रा करेंगी और पूरी तरह से पवन ऊर्जा पर निर्भर रहेंगी। इस अभियान की परिकल्पना भारतीय नौसेना द्वारा 2017 में नाविका सागर परिक्रमा के उद्घाटन के साथ की गई थी, जो छह अधिकारियों के सभी महिला चालक दल द्वारा दुनिया की पहली भारतीय परिक्रमा थी।

'लव, सितारा' को मिली शानदार प्रतिक्रिया से गदगद हुईं शोभिता धुलिपाला, दर्शकों का जताया आभार

शोभिता धुलिपाला एक के बाद एक बेहतरीन प्रोजेक्ट्स से दर्शकों का दिल जीत रही हैं। इन दिनों वह अपनी हालिया रिलीज पारिवारिक ड्रामा 'लव, सितारा' के लिए सुर्खियों में बनी हुई हैं। फिल्म की कहानी उनके किरदार के इर्द गिर्द घूमती है। अभिनेत्री ने इसमें एक आत्मनिर्भर इंटीरियर डिजाइनर सितारा की भूमिका निभाई है। प्रासंगिक भूमिकाओं को चुनने के उनके तरीके के बारे में पूछे जाने पर शोभिता ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें सितारा जैसी भूमिका को निभाने का अवसर मिला।

शोभिता धुलिपाला का मानना है कि वह अक्सर ऐसी भूमिकाएं निभाती हैं जो सामान्य भूमिकाओं की तुलना में कहीं अधिक यथार्थवादी होती हैं। शोभिता ने हाल ही में अपनी फिल्म को मिली प्रशंसा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि सितारा उनके लिए मजबूत और संवेदनशील का एक शानदार मिश्रण है। फिल्म में वह एक सफल महिला की भूमिका में हैं जो बहादुरी से हर परिस्थियों का सामना करती है।

उन्होंने अपनी पिछली भूमिकाओं से बिल्कुल अलग किरदार निभाने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया और जब आलोचक और दर्शक इस निर्णय को स्वीकार करते हैं और सराहना करते हैं, तो यह अत्यधिक प्रेरणा और संतुष्टि लाता है। उन्होंने इस तरह के अनोखे किरदार को निभाने के अपने फैसले के बारे में विस्तार से बताया और तारीफों के लिए आभार व्यक्त किया। दर्शकों ने तारा की जटिल यात्रा को वास्तविक भावना के साथ स्वीकार किया है। साथ ही एक विवाहित और गर्भवती महिला के रूप में उनकी कई भूमिकाओं का आनंद लिया है।

केरल की रंगीन पृष्ठभूमि पर आधारित 'लव, सितारा' एक ऐसी दुनिया की मनमोहक झलक पेश करती है, जहां पारिवारिक रिश्ते, रहस्य और प्यार का जबर्दस्त उथल-पुथल देखने को मिलता है। इंटीरियर डिजाइनर सितारा (शोभिता धूलिपाला) और शेफ अर्जुन (राजीव सिद्धार्थ) कहानी के मुख्य किरदार हैं। दोनों के सुखद रिश्ते में तब नाटकीय मोड़ आ जाता है जब अचानक आया एक प्रस्ताव उनकी योजनाओं में बाधा डालता है। गर्मजोशी भरा और अस्पष्ट, जीवन का यह पारिवारिक नाटक एक आदर्श परिवार के अंदर और बाहर की पड़ताल करता है। साथ ही सतह के पीछे छिपी अनफिल्टर्ड वास्तविकताओं को उजागर करता है।

शोभिता ने सितारा नाम की एक मजबूत और आत्मनिर्भर महिला का किरदार निभाया है, जो अपनी शादी की तैयारियों के बीच प्यार और रिश्तों की जटिलता से निपटती है। तारा के रूप में शोभिता की यह तीसरी उपस्थिति है। उन्होंने 'कालाकांडी' (2018) में भी भूमिका निभाई और सफल सीरीज 'मेड इन हेवन' (2019) में मुख्य भूमिका निभाई।

जयपुर में तृप्ति डिमरी के प्रमोशन इवेंट में हंगामा, महिला ने पोस्टर पर पोती कालिख

बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी की आने वाली फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' के प्रमोशन इवेंट में मंगलवार को विवाद हो गया। तृप्ति जयपुर में अपनी फिल्म का प्रमोशन करने आई थीं, लेकिन इवेंट में शामिल न होने के कारण 'फिक्की फ्लो जयपुर चैप्टर' की महिलाओं ने उनके पोस्टर पर ब्लैक मार्कर से कालिख पोत दी और उनकी फिल्मों का बायकॉट करने का एलान किया।

तृप्ति को 'फिक्की फ्लो जयपुर चैप्टर' की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेना था। वहां उन्हें दोपहर 1:30 बजे तक पहुंचना था। वहां महिलाओं ने उनका लगभग 12 बजे से इंतजार करना शुरू कर दिया था। तृप्ति और उनकी टीम कार्यक्रम में नहीं पहुंची, तो नाराज महिलाएं स्टेज पर चढ़कर विरोध कर दिया। ₹फिक्की फ्लो जयपुर चैप्टर₹ की पूर्व चेयरपर्सन अलका बत्रा ने स्टेज पर जाकर तृप्ति के पोस्टर पर कालिख पोत दी, जिससे कार्यक्रम में हंगामा मच गया।

पेमेंट लेकर किया गया भ्रमित

₹फिक्की फ्लो जयपुर चैप्टर₹ की चेयरपर्सन रघुश्री पोद्दार ने तृप्ति और उनकी टीम पर आरोप लगाया कि उन्होंने पूरे इवेंट के लिए फिक्की फ्लो से पेमेंट लेकर उन्हें भ्रमित किया और आखिरी समय में आने से मना कर दिया। पोद्दार ने यह भी कहा कि तृप्ति की टीम ने उनके स्थान पर राजकुमार राव को इवेंट में लाने की बात कही, जिससे फिक्की फ्लो की महिलाओं को अपमानित महसूस हुआ।

देशभर में चलेगा बायकॉट

रघुश्री पोद्दार ने घोषणा की कि ₹फिक्की फ्लो जयपुर चैप्टर₹ तृप्ति की सभी फिल्मों का बायकॉट करेगा और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी करेगा। उन्होंने कहा कि यह विरोध जयपुर से शुरू होकर पूरे देश में फैलाया जाएगा, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस हंगामे के बाद तृप्ति डिमरी की टीम की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

रोमांटिक कॉमेडी फिल्म अमर प्रेम की प्रेम कहानी का ट्रेलर जारी, आदित्य सील के प्यार में गिरफ्तार हुए सनी सिंह

सनी सिंह, आदित्य सील और प्रनूतन बहल अभिनीत रोमांटिक कॉमेडी अमर प्रेम की प्रेम कहानी के निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है। ट्रेलर में अमर (सनी सिंह) के जीवन की एक झलक दिखाई गई है, जो अपनी कामुकता का पता चलने पर सामाजिक अपेक्षाओं से घुटन महसूस करता है। ट्रेलर से साफ हो रहा है कि फिल्म का उद्देश्य समाज को एक अहम संदेश देना है। फिल्म रूढ़िवादिता को तोडने की कोशिश करती है।

अमर प्रेम की प्रेम कहानी का ट्रेलर जारी करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, रूढ़िवादिता को तोडने का समय। ये प्रेम कहानी आपके होश उड़ाने के लिए आ रही है। अमर प्रेम की प्रेम कहानी, स्ट्रीमिंग 4 अक्तूबर से, केवल जियो सिनेमा प्रीमियम पर। ट्रेलर में अमर (सनी सिंह) आजादी की तलाश में लंदन की यात्रा करता है, और अपनी उड़ान में अप्रत्याशित रूप से उसे प्रेम (आदित्य सील) से प्यार हो जाता है। एक कथित आपातकाल के कारण अमर को परिवारवाले वापस बुला लेते हैं, उसे पता चलता है कि उसे एक अरेंज मैरिज में धकेल दिया गया है। इसके बाद वह गलतफहमी और पारिवारिक नाटक से निपटता है।

अमर का किरदार निभा रहे सनी सिंह ने कहा, अमर एक पंजाबी लड़का है, एक प्यारा आकर्षक व्यक्ति है जो अपने परिवार में सभी के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ है। हालांकि, उसने उनसे अपनी कामुकता की बात छिपा रखी है और वह इस पर चर्चा करने से झिझकता है। सनी इसके बाद कहते हैं, मैं अपनी अभिनय यात्रा में यह अवसर पाकर खुद को भाग्यशाली मानता हूं मेरे साथी कलाकार बेहद अच्छे रहे हैं। हमारे फिल्म निर्देशक ने मुझे मेरी भूमिका के माध्यम से बहुत अच्छी तरह से निर्देशित किया, और मैंने सेट पर हर दिन कुछ नया सीखा। फिल्म में समलैंगिक रिश्तों को खूबसूरती से दर्शाया गया है। मुझे विश्वास है कि हर किसी को इससे प्यार हो जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित । शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail।com